डॉ॰ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा ए$^{+}$ श्रेणी प्रदत्त

शतप्रभा

प्रगति आख्या–2026

संपादक मंडल

प्रो. प्रदीप श्रीधर
डी.लिट्.
वरिष्ठ आचार्य, अधिष्ठाता कला संकाय एवं निदेशक
कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

प्रो. अचला गक्खर
निदेशक, गृह विज्ञान संस्थान

श्रीमती पल्लवी आर्य
भाषाविज्ञान विभाग, के.एम.आई.

डॉ. केशव कुमार शर्मा
हिंदी विभाग, के.एम.आई

डॉ. अमित कुमार सिंह
डी.लिट्.
हिंदी विभाग, के.एम.आई.

डॉ. प्रदीप कुमार
विदेशी भाषा विभाग,
के.एम.आई.

डॉ. संदीप कुमार
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग,
के.एम.आई.

डॉ. वर्षा रानी
संस्कृत विभाग, के.एम.आई.

डॉ. मोहिनी दयाल
हिंदी विभाग, के.एम.आई.

प्रकाशक

श्री अजय कुमार मिश्रा
पी.सी.एस.
कुलसचिव
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

अनुक्रम

1.	माननीय कुलाधिपति महोदया का संदेश	(i)
2.	माननीय उच्च शिक्षा मंत्री का संदेश	(ii)
3.	माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री का संदेश	(iii)
4.	कुलपति जी का संदेश	(iv)
5.	माननीय मुख्य अतिथि का संदेश	(v)
6.	संपादकीय	(vi)
7.	विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य एवं मुद्रा	(vii)
8.	विश्वविद्यालय : परिदृष्टि एवं दृष्टिपथ	(viii)
9.	मुख्य विशेषताएँ	(ix)
10.	डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में	(x-xiii)
11.	शिखरमुखी छात्र धरोहर	(xiv-xix)
12.	विश्वविद्यालय की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ	(xx-xxii)

संस्थानों, विभागों एवं अध्ययन केन्द्रों की संक्षिप्त प्रगति आख्या

1.	कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ	1-7
2.	समाज विज्ञान संस्थान	8-10
3.	गृह विज्ञान संस्थान	10-11
4.	मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)	11-14
5.	फार्मेसी विभाग	14-15
6.	दाऊदयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान	16
7.	अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)	17-18
8.	सेठ पदमचन्द जैन प्रबंध संस्थान	18-19
9.	पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन संस्थान	19-21
10.	ललित कला संस्थान	21-22
11.	पं. दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान	22-23
12.	शारीरिक शिक्षा संस्थान	24
13.	कृषि विज्ञान विभाग	25
14.	विधि विभाग	26
15.	जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ साइंस)	26-32
16.	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग	32-33
17.	इतिहास एवं संस्कृति विभाग	34-35
18.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग	35-36
19.	विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र	36

केन्द्रीयकृत सुविधाएँ, पीठ, विभाग और प्रसार गतिविधियाँ

1.	राष्ट्रीय सेवा योजना	37-38
2.	राष्ट्रीय कैडेट कोर	38-40
3.	छात्र कल्याण विभाग	40-41
4.	सामुदायिक रेडियो	42-43
5.	महिला प्रकोष्ठ	43-44
6.	केन्द्रीय ग्रन्थागार	45-46
7.	रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ	46-48
8.	विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)	48-50
9.	विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल	51-52
10.	डॉ. भीमराव आंबेडकर पीठ	52-53
11.	सूर पीठ	54
12.	दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ	54-55
13.	समर्थ पोर्टल	55
14.	माननीय कुलाधिपति जी द्वारा लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन	56-64
15.	समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय	65-67
16.	91वें दीक्षांत समारोह की झलकियाँ	68

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश



सत्यमेव जयते

जन भवन
लखनऊ - 226 027

07 जुलाई, 2026

सन्देश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा अपना 92वाँ दीक्षांत समारोह 03 अगस्त, 2026 को आयोजित कर रहा है। इस अवसर पर एक स्मारिका 'प्रगति आख्या' का प्रकाशन भी किया जाएगा।

दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के अथक परिश्रम, अनुशासन, ज्ञानार्जन तथा उनके उज्ज्वल भविष्य का उत्सव है। यह वह गौरवपूर्ण क्षण है, जब विद्यार्थी अपने जीवन के एक नए अध्याय में प्रवेश करते हैं और समाज तथा राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने हेतु संकल्पित होते हैं। आशा है कि प्रकाश्य स्मारिका विश्वविद्यालय की शैक्षिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं शोधगत उपलब्धियों के साथ–साथ उसकी भावी योजनाओं को समाज के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने का माध्यम बनेगी। साथ ही, यह विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य करेगी।

दीक्षांत समारोह के आयोजन तथा स्मारिका के प्रकाशन की सफलता हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

दूरभाष : 0522-2236497 फैक्स : 0522-2239488 ईमेल : hgovup@gov.in वेबसाइट : www.upgovernor.gov.in

योगेन्द्र उपाध्याय
मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश।

कक्ष सं0–63बी/डी, मुख्य भवन
विधान भवन, लखनऊ।
दूरभाष– 0522–2238051(कार्या0)
0522–2238112(आवास)

दिनाँक– 22-07-2026



संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का 92वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर मैं उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों, शिक्षकों तथा विश्वविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

दीक्षांत समारोह किसी भी विद्यार्थी के जीवन का एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह केवल शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव ही नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, अनुशासन तथा राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व के साथ एक नई यात्रा का शुभारम्भ भी है। मुझे विश्वास है कि आज उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने ज्ञान एवं कौशल का उपयोग समाज और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में करेंगे।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने अपनी गौरवशाली शताब्दी पूर्ण कर ली है। एक शताब्दी की इस प्रेरणादायी यात्रा में विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा, अनुसंधान, विज्ञान, साहित्य, संस्कृति तथा सामाजिक चेतना के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। अपने उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण, समृद्ध परम्पराओं तथा प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों के माध्यम से विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान स्थापित की है।

उत्तर प्रदेश सरकार माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, रोजगारोन्मुखी, बहुविषयक एवं शोध आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ज्ञान, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, कौशल विकास तथा डिजिटल सशक्तिकरण के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर एवं वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप सक्षम बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

आज के युवा हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। मैं सभी विद्यार्थियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे ज्ञान के साथ–साथ नैतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, सेवा–भाव तथा संवैधानिक आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देंगे।

मैं 92वें दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ देता हूँ तथा सभी उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल, सफल एवं मंगलमय भविष्य की कामना करता हूँ।

(योगेन्द्र उपाध्याय)

रजनी तिवारी
राज्य मंत्री
उच्च शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश

कार्या. : जी-2/3, तृतीय तल, बापू भवन,
उत्तर प्रदेश सचिवालय, लखनऊ।
दूरभाष कार्या. : 0522-2238980
सी.एच. : 0522-2214808



''शुभकामना संदेश''

मुझे यह जानकर अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा अपने 92वें दीक्षांत समारोह का आयोजन कर रहा है।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी गौरवशाली शताब्दी पूर्ण कर एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है। एक शताब्दी की इस यात्रा में विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, विज्ञान, साहित्य, संस्कृति तथा सामाजिक चेतना के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, विद्यार्थियों की प्रतिभा तथा ज्ञान–साधना के सम्मान का महत्वपूर्ण व गौरवपूर्ण पर्व होता है। परिश्रम, अनुशासन, समर्पण एवं दृढ़ संकल्प के फलस्वरूप प्राप्त यह उपलब्धि विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित करती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों के बल पर भविष्य की चुनौतियों का सामना करते हुए समाज व राष्ट्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

मैं उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देती हूँ तथा उनके उज्ज्वल, सफल एवं मंगलमय भविष्य की कामना के साथ ही विश्वविद्यालय परिवार को दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन हेतु हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करती हूँ।

(**रजनी तिवारी**)

आवास : 1- डालीबाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 0522-2205445

कैम्प कार्यालय : हरदोई, उत्तर प्रदेश
दूरभाष : 05852-222100

प्रो. आशु रानी
कुलपति
Prof. Ashu Rani
Vice-Chancellor

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय
(पूर्ववर्त्ती आगरा विश्वविद्यालय)
आगरा– 282 004 (उ.प्र.)
Dr. BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
(Formerly : Agra University)
AGRA - 282 004 (U.P.) India



संदेश

उच्च शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के नवीन प्रतिमान स्थापित करते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा निरंतर प्रगति एवं गुणवत्ता के पथ पर अग्रसर है। ज्ञान–सृजन, मूल्यपरक शिक्षा तथा समाजोन्मुख अनुसंधान की अपनी समृद्ध परंपरा को सुदृढ़ करते हुए विश्वविद्यालय राष्ट्रीय विकास एवं वैश्विक शैक्षणिक मानकों के अनुरूप निरंतर नवीन आयाम स्थापित कर रहा है। इसी सतत विकास–यात्रा का प्रामाणिक दस्तावेज स्वरूप विश्वविद्यालय अपने 92वें दीक्षांत समारोह के शुभ अवसर पर वार्षिक प्रगति आख्या 'शत्प्रभा' का प्रकाशन कर रहा है।

वर्ष 2026 विश्वविद्यालय के इतिहास में एक ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। 01 जुलाई 2026 को विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर शताब्दी वर्ष में प्रवेश किया है। यह अवसर केवल एक शताब्दी की संस्थागत यात्रा का उत्सव नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, सेवा और संस्कारों की उस समृद्ध विरासत का अभिनंदन है, जिसने अनगिनत प्रतिभाओं को राष्ट्र एवं समाज के निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। शताब्दी वर्ष हमें अपनी गौरवशाली परंपरा से ऊर्जा ग्रहण करते हुए नवाचार, उत्कृष्टता और सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ भविष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प प्रदान करता है।

92वाँ दीक्षांत समारोह हमारे विद्यार्थियों की ज्ञान–साधना, अनुशासित परिश्रम, समर्पण एवं उत्कृष्ट उपलब्धियों का गौरवपूर्ण उत्सव है। इस शुभ अवसर पर उपाधि एवं पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उनके उज्ज्वल, सफल तथा यशस्वी भविष्य के लिए मंगलकामनाएँ।

'शत्प्रभा' विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति एवं भावी संकल्पों का सार्थक दस्तावेज है। मुझे विश्वास है कि यह, विश्वविद्यालय परिवार, शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों एवं समस्त हितधारकों के लिए प्रेरणास्रोत सिद्ध होगा। मैं सभी को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करती हूँ।

(आशु रानी)

प्रोफ़ेसर पंकज अरोड़ा
अध्यक्ष
Professor Pankaj Arora
Chairperson

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्
(भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
National Council for Teacher Education
(A Statutory Body of the Government of India)



Message from the Chairperson, NCTE

Greetings to all,

It gives me immense pleasure to extend my warm greetings to the Vice-Chancellor, faculty members, researchers, students, alumni, and the entire fraternity of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra on the publication of the University's Annual Progress Report, **"Shatprabha,"** brought out on the occasion of its **92nd Convocation Day**.

I am delighted to know that the University has also completed **100 glorious years** of excellence in higher education. This remarkable milestone reflects its enduring commitment to academic excellence, research, innovation, and nation-building. *"Shatprabha"* aptly captures the University's achievements, academic initiatives, research contributions, and institutional progress, while serving as a source of inspiration for the entire academic community.

The National Education Policy (NEP) 2020 envisions higher education institutions as centres of multidisciplinary learning, innovation, research, and societal transformation. I am confident that Dr. Bhimrao Ambedkar University, with its rich legacy, will continue to play a significant role in advancing this vision and contributing to the realization of **Viksit Bharat @2047**.

I congratulate the graduating students on the occasion of the **92nd Convocation** and commend the University for bringing out this valuable publication. I extend my best wishes to the entire University fraternity for continued success and greater achievements in its second century of excellence.

(Pankaj Arora)

जी-7, सेक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075
G-7, Sector-10, Dwarka, New Delhi -110075
Phone : 91-11-20892165 | E-mail : cp@ncte-india.org | Website : www.ncte.gov.in


प्रो. प्रदीप श्रीधर


प्रो. अचला गक्खर


श्रीमती पल्लवी आर्य


डॉ. केशव कुमार शर्मा


डॉ. अमित कुमार सिंह


डॉ. प्रदीप कुमार


डॉ. संदीप कुमार


डॉ. वर्षा रानी


डॉ. मोहिनी दयाल

संपादकीय

'शताब्दी की गौरवशाली यात्रा से नवोन्मेषी भविष्य की ओर'

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के **92वें दीक्षांत समारोह** के पावन एवं ऐतिहासिक अवसर पर प्रकाशित **'शतप्रभा (प्रगति आख्या)'** का यह विशेष अंक विश्वविद्यालय की उपलब्धियों, प्रगति, नवाचार एवं भविष्य की विकास–यात्रा का सजीव दस्तावेज है। यह हमारे लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि वर्ष 1927 में स्थापित यह ऐतिहासिक विश्वविद्यालय आज अपनी **गौरवशाली शताब्दी पूर्ण कर द्वितीय शताब्दी में प्रवेश** कर चुका है।

एक शताब्दी की यह यात्रा केवल वर्षों का इतिहास नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुसंधान, संस्कार, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति सतत समर्पण की प्रेरणादायी गाथा है। स्थापना के समय एक संबद्धता एवं परीक्षा संचालित करने वाले विश्वविद्यालय के रूप में प्रारम्भ हुई। यह संस्था आज उत्तर प्रदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में अपना विशिष्ट स्थान स्थापित कर चुकी है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, संस्कृति तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देते हुए लाखों विद्यार्थियों के जीवन को दिशा प्रदान की है।

आज विश्वविद्यालय NAAC द्वारा 'A+' ग्रेड से मान्यता प्राप्त कर गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित कर रहा है। साथ ही, राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) में अपनी उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराकर इसने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक प्रतिष्ठा को और सुदृढ़ किया है। आधुनिक अधोसंरचना, अनुसंधान को प्रोत्साहन, डिजिटल शिक्षण, कौशल विकास, नवाचार, स्टार्ट–अप संस्कृति तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में विश्वविद्यालय निरंतर अग्रसर है।

माननीया श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति के दूरदर्शी नेतृत्व तथा माननीया कुलपति प्रो. आशु रानी के कुशल मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, अंतरराष्ट्रीय सहयोग, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा छात्र–केंद्रित शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। विशेष रूप से विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ (International Relations Cell) द्वारा विश्व के अनेक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ स्थापित शैक्षणिक सहयोग ने विश्वविद्यालय को वैश्विक पहचान प्रदान की है।

यह **'शतप्रभा (प्रगति आख्या)'** केवल बीते वर्ष की गतिविधियों का संकलन नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय की सतत प्रगति, उपलब्धियों, शोध, नवाचार, अकादमिक उत्कृष्टता तथा भविष्य के संकल्पों का प्रेरक दस्तावेज है। हमें विश्वास है कि यह प्रकाशन विश्वविद्यालय परिवार, शोधार्थियों, विद्यार्थियों, पूर्व छात्रों एवं सभी हितधारकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा तथा विश्वविद्यालय की विकास यात्रा को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

विश्वविद्यालय परिवार के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों एवं शुभचिंतकों को 92वें दीक्षांत समारोह एवं शताब्दी वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ।

प्रो. प्रदीप श्रीधर

विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य एवं मुद्रा



आदर्श वाक्य एवं दर्शन

विश्वविद्यालय की पहचान के केंद्र में उसका आदर्श वाक्य है

"प्रकाश और ज्ञान"

यह आदर्श वाक्य प्राचीन संस्कृत प्रार्थना **"तमसो मा ज्योतिर्गमय"** से प्रेरित है, जिसका अर्थ है

"मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो।"

यह विश्वविद्यालय की ज्ञान, आत्मबोध, प्रबोधन तथा बौद्धिक विकास की सतत् खोज एवं प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

विश्वविद्यालय : परिदृष्टि एवं दृष्टिपथ



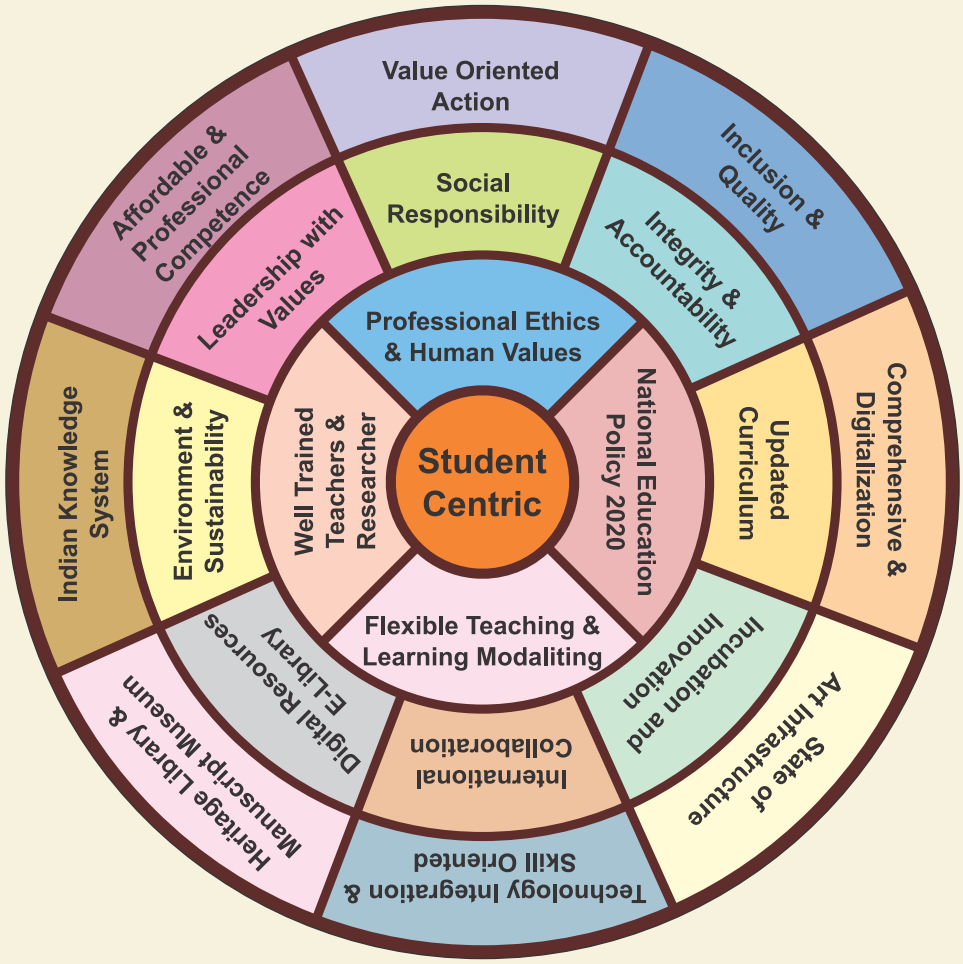
परिदृष्टि

ज्ञान, व्यावसायिक कौशल तथा नैतिक मूल्यों से युक्त विद्यार्थियों का निर्माण कर एक उत्कृष्ट उच्च शिक्षण संस्थान बनना तथा उद्योग एवं समाज के विकास और प्रगति में उनका सहयोगी बने रहना।

दृष्टिपथ

1. शिक्षा को प्रासंगिक, गुणवत्तापूर्ण एवं उत्कृष्ट बनाना।
2. अनुसंधान, प्रकाशन एवं ज्ञान के प्रसार के माध्यम से ज्ञान की उन्नति में योगदान देना।
3. विद्यार्थियों की योग्यता, कौशल एवं क्षमताओं का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र एवं मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाना।
4. श्रेष्ठ कार्य प्रणालियों को अपनाकर विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देना।

Key Features



Key Statistics

Districts	4
Affiliated Colleges	548
Faculties	14
Research Centres	74
Programmes	102
Courses	2943
Total Students	3.5+ Lakh
Campus Departments	42
Campus Students	6548

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय : एक दृष्टि में

संक्षिप्त परिचय :

आगरा विश्वविद्यालय, आगरा की स्थापना एक जुलाई सन् 1927 ई. को हुई थी। यह उत्तर भारत के पुरातन विश्वविद्यालयों में से एक है, जिसका कार्य क्षेत्र उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और पश्चिमी बिहार तक विस्तृत रूप से फैला हुआ था। सन् 1996 ई. में इसका नामकरण डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। इसके विभिन्न संकायों की पहली बैठक इस प्रकार हुई:

- कार्य परिषद 15.10.1927
- संकाय (फैकल्टी) 17.10.1927
- विद्या परिषद 19.10.1927
- शैक्षिक (एकेडमिक) परिषद 21.10.1927
- सीनेट 30.10.1927

आवासीय परिसर :

विश्वविद्यालाय के चार आवासीय परिसर पालीवाल पार्क, खंदारी, छलेसर एवं सिविल लाइंस में हैं, जहाँ शिक्षण कार्य होता है। प्रशासनिक खंड पालीवाल पार्क में है। महिला विद्यार्थियों हेतु छात्रावास खंदारी परिसर में है एवं पुरुष विद्यार्थियों हेतु छात्रावास छलेसर परिसर में है।

संबद्ध कॉलेज :

विश्वविद्यालय मूलतः संबद्ध कॉलेजों के लिए था। समय की आवश्यकतानुसार इसमें आवासीय परिसर विकसित हुए।

वर्तमान में सम्बद्ध महाविद्यालयों की संख्या :

- राजकीय महाविद्यालय — 06
- संघटक महाविद्यालय — 01
- सहायता प्राप्त महाविद्यालय — 27
- स्ववित्तपोषित महाविद्यालय — 514

छात्र संख्या :

- आवासीय परिसर — 6,665
- राजकीय महाविद्यालय — 6,620
- सहायता प्राप्त महाविद्यालय — 73,289
- स्ववित्तपोषित महाविद्यालय — 2,93,634

कुल छात्र संख्या — 3,80,208

अधिकार क्षेत्र :

विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र आगरा मंडल के चार जिलों आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद एवं मैनपुरी में है।

प्रथम कुलाधिपति :

महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस



विश्वविद्यालय का उद्देश्य, ध्येय एवं सील :

(University Objectives, Motto and Seal)

विश्वविद्यालय का उद्देश्य धर्म, जाति, रंग, नस्ल, लिंग भेद के बिना, पारदर्शिता के साथ सभी को समान रूप से शिक्षा का अवसर प्रदान करना है। विश्वविद्यालय और उसकी उपाधियाँ सर्वसमाज के लिए हैं। 'The Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is open to all classes and creed, irrespective of, and sex differentiation and no test of any nature what-so ever of religion belief or profession can be imposed for entitlement of any certificate, diploma or degree.'

ध्येय वाक्य :

विश्वविद्यालय का ध्येय वाक्य
"तमसो मा ज्योतिर्गमय" है अर्थात् 'अंधकार से प्रकाश की ओर चलो'

यह विश्वविद्यालय की सील पर अंकित है।

The motto of the university is light and learning; `Tamso Ma Jyotirgamaya' (तमसो मा ज्योतिर्गमय) meaning 'lead me from darkness to light'

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना विश्व प्रसिद्ध स्मारक "ताजमहल" के शहर आगरा में हुई थी, जिसे आज हम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नाम से जानते हैं। यमुना नदी पर बसे आगरा को प्राचीन काल में 'अग्रवन' के नाम से भी जाना जाता था। सिकंदर ने 1504 ई. में इसे अपनी राजधानी बनाया। लोदी के बाद मुगल आये, जिन्होंने दिल्ली की तुलना में इसे अपनी राजधानी बना भारत के विस्तृत भू–भाग पर शासन किया। ब्रिटिश आधिपत्य के बाद आगरा सीधे अंग्रेजों के नियंत्रण में आ गया। 1833 ई. में आगरा की महत्वपूर्ण स्थिति के कारण इसे 'प्रेसिडेंसी' का दर्जा मिला।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में आगरा ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया था। बाद में क्रांतिकारियों के कारण आगरा का काफी नाम रहा। यहाँ 1823, 1852 एवं 1885 ई. में क्रमशः आगरा कॉलेज, सेंट जोन्स कॉलेज एवं आर. बी. एस. कॉलेज अस्तित्व में आए। प्रारम्भ में आगरा कॉलेज, कलकत्ता

विश्वविद्यालय से संबद्ध रहा। 1837 ई. में जब इलाहाबाद विश्वविद्यालय अस्तित्व में आया तो आगरा कॉलेज वहाँ से संबद्ध हो गया।

आगरा विश्वविद्यालय अपने प्रथम कुलपति रेवरेंड ए. डब्ल्यू डेविस के साथ, मुंशी नारायण प्रसाद अस्थाना, डॉ. एल. पी. माथुर, प्रो. गोकुल चंद्रा, लाला दीवान चंद्र, रायबहादुर आनंद स्वरूप, डॉ ब्रजेंद्र स्वरूप इत्यादि के सद्प्रयासों का प्रतिफल था, जिन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए सरकार को तैयार किया। उस समय एक आयोग (Sadler Commission) ने पूर्व में गोरखपुर से लेकर पश्चिम में इंदौर तक फैले संबद्ध कॉलेजों के लिए एक विश्वविद्यालय स्थापना की संस्तुति की। 1921 ई. में इसके लिए प्रांतीय विधायिका में एक बिल प्रस्तुत हुआ जो 1926 ई. में पास हुआ। 11.09.1926 एवं 20.10.1926 को इस पर क्रमशः गवर्नर एवं गवर्नर जनरल की मुहर लगी। इस तरह 01.07.1927 को आगरा विश्वविद्यालय का जन्म हुआ। आई. ई. एस. अधिकारी के. पी. किचलू इसके विशेष कार्य अधिकारी 01.04.1927 को बने, जिनसे 01.11.1927 को श्री टिनकर ने चार्ज लिया। कुलसचिव पं. श्याम सुंदर शर्मा ने 14 जून से 30 जुलाई 1928 तक कुलपति कार्यालय का कार्यभार भी सँभाला। महामहिम सर विलियम सिनक्लेयर मैरिस इसके प्रथम कुलाधिपति थे। 1996 ई. में विश्वविद्यालय का नाम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा हुआ। अब तक इसके 91 दीक्षांत समारोह हो चुके हैं।

विश्वविद्यालय की स्थिति :

प्रारंभ में विश्वविद्यालय की सीमा संयुक्त प्रांत आगरा एवं अवध, मध्य भारत, राजपूताना के 14 संबद्ध कॉलेजों तक थी, जिसमें 1472 संयुक्त प्रांत के छात्रों को मिलाकर कुल छात्र संख्या 2530 थी। प्रथम वर्ष में पंजीकृत स्नातक छात्र मात्र 85 थे। आज विश्वविद्यालय की सीमा उत्तर प्रदेश के आगरा मंडल तक है। देश के तीन प्रदेशों की सीमा (मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं हरियाणा) इससे जुड़ी हुई है। प्रदेश के 6 राजकीय महाविद्यालय, 27 सम्बद्ध महाविद्यालय, 01 संघटक महाविद्यालय एवं 514 स्ववित्त पोषित महाविद्यालय इससे संबद्ध हैं। वर्तमान में छात्रों की संख्या 3,80,208 लाख है।

आरंभ में विश्वविद्यालय में कला, विज्ञान, वाणिज्य, विधि संकाय थे। बाद में इसमें मेडीसिन (1936), कृषि (1938), शिक्षा (1938), गृहविज्ञान (1980), होम्योपैथी (1981) आए और उसके बाद फाईन आर्ट, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, लाइफ साइंस, आयुर्वेद एवं यूनानी शामिल हुए।

विश्वविद्यालय भवन :

विश्वविद्यालय ने भरतपुर हाउस स्थित एक किराए के भवन में कार्यालय खोलकर कार्य शुरू किया था। 1933 ई. में इसे पालीवाल पार्क (तत्कालीन हैविट पार्क) के एक हिस्से के भवन में स्थान मिला, जिसमें प्रथम तल पर डेविस हाल (जहाँ आजकल शोध विभाग है), काउंसिल हाल और आधार तल पर कार्यालय थे। प्रशासनिक खंड के लिए दीक्षांत समारोह के अवसर पर तत्कालीन कुलाधिपति महामहिम सर माल्कम हैली ने नवम्बर 1932 ई. में शिलान्यास किया था। बाद में परीक्षा विभाग, गोपनीय विभाग, सीनेट हाल, विश्वविद्यालय कर्मियों के आवास इस परिसर में बने।

पालीवाल पार्क में आवासीय पक्ष के रूप में समाजविज्ञान संस्थान एवं कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ को 1953 में स्थान मिला। तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद ने 1956 में समाजविज्ञान संस्थान और तत्कालीन कुलाधिपति डॉ. के. एम. मुंशी ने 1957 में विद्यापीठ के भवन का उद्घाटन किया। केंद्रीय पुस्तकालय भी उसी दौरान बनकर तैयार हुआ। गृह विज्ञान संस्थान के लिए खंदारी में विश्वविद्यालय ने चार एकड़ का भूखंड क्रय कर ग्वालियर की राजमाता विजयाराजे सिंधिया से 3.12.1967 को शिलान्यास कराया। भवन का उद्घाटन तत्कालीन कुलाधिपति माननीय डॉ. बी. गोपाल रेड्डी ने 07.07.1968 को किया। बाद में गृह विज्ञान संस्थान से सटे भूखंडों को लेकर 'खंदारी परिसर' विकसित हुआ। इसमें इंस्टीट्यूट

ऑफ बेसिक साइंस (1990), सेठ पदमचंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैंनेजमेंट, कामर्स एंड इकोनोमिक्स (1993), अतिथि गृह, दाऊदयाल व्यावसायिक संस्थान, पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान, यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल, इंजीनियरिंग संस्थान, फार्मेसी विभाग, आंबेडकर भवन, कम्युनिटी रेडियो, खंदारी परिसर में स्थापित हुए। सिविल लाइंस स्थित खंडेलवाल कोठी में ललित कला संस्थान तथा छलेसर में शारीरिक शिक्षा विभाग की स्थापना की गयी। माननीय कुलाधिपति श्री राम नाईक ने 08.07.2016 को पं. दीन दयाल उपाध्याय संस्थान के नवीन भवन का छलेसर में शिलान्यास किया। इस प्रकार संप्रति विश्वविद्यालय चार परिसर क्रमशः पालीवाल पार्क, खंदारी, सिविल लाइंस एवं छलेसर तक विस्तृत है।

केंद्रीय पुस्तकालय :

विश्वविद्यालय की स्थापना से ही इसमें केंद्रीय पुस्तकालय स्थित रहा है। प्रारंभिक दौर में इसका संचालन कुलसचिव कार्यालय से होता था। बाद में इसे स्थापत्य भवन के रूप में पालीवाल पार्क में स्थापित किया गया। चार मंजिला भवन खुली पुस्तक की तरह है, जिस पर ग्रीक संस्कृति का प्रभाव रखने वाला बाइजांटिन गुम्बद (Byzantine dome) है। यह सात लाख की लागत से 01.03.1956 को बनकर तैयार हुआ। इसमें 1,58,000 पुस्तकें, 200 जर्नल तथा लब्ध प्रतिष्ठित विभूतियों सर्वश्री सी. वाई. महाजन, डॉ. ए. एल. श्रीवास्तव, डॉ. एस. एन. मेहरोत्रा, पं. बनारसी दास चतुर्वेदी और श्री सुंदर लाल रूपरानी इत्यादि के संग्रह हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय के चारों परिसरों में केंद्रीय पुस्तकालय की चार शाखाएँ हैं–

1. पालीवाल पार्क परिसर, 2. खंदारी परिसर, 3. संस्कृति भवन, 4. छलेसर परिसर।

प्रेक्षागृह, सभागार, सम्मेलन हॉल :

1. 1350 के बैठने की क्षमता वाला–छत्रपति शिवाजी मण्डपम्।
2. 375 के बैठने की क्षमता वाला– जे. पी. सभागार, खंदारी।
3. 200 के बैठने की क्षमता वाला– जुबली हॉल, पालीवाल पार्क।
4. 300 के बैठने की क्षमता वाला–संस्कृति भवन का सभाकक्ष।
5. लघु बैठकों के लिए बृहस्पति भवन, पालीवाल पार्क एवं अतिथि गृह सभा कक्ष, खंदारी।

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल :

नर्सरी से कक्षा 12 तक सी.बी.एस.ई. से सम्बद्ध मॉडल स्कूल खंदारी परिसर में 25 वर्ष से संचालित है।

आवास सुविधाएँ :

शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए पालीवाल पार्क, गोपालकुंज, खंदारी, सुल्तानगंज परिसर में आवासीय सुविधाएँ हैं। छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा भी गृहविज्ञान संस्थान, खंदारी परिसर में है। छात्रों के लिए छलेसर परिसर में महाराजा प्रताप छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा :

सम्पूर्ण परिसर में केंद्रीय कम्प्यूटर सुविधा है।

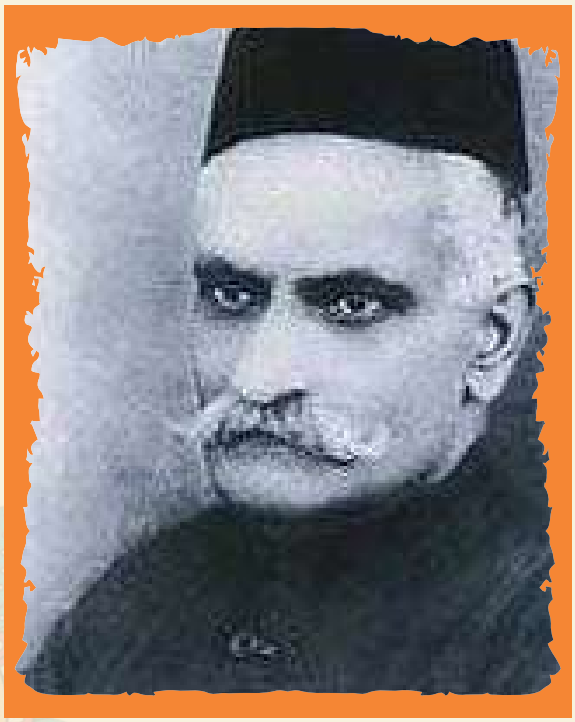
वाई–फाई, सी.सी.टी.वी. :

विश्वविद्यालय वाई–फाई व सी.सी.टी.वी. युक्त है।

सामुदायिक रेडियो 'आगरा की आवाज' :

सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार का प्रकल्प 90.4 MHz आगरा की आवाज 30.10.2010 से खंदारी परिसर में संचालित है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में स्थापित यह एक मात्र सामुदायिक रेडियो है, जो जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग का एक अंग है।

शिखरमुखी छात्र धरोहर



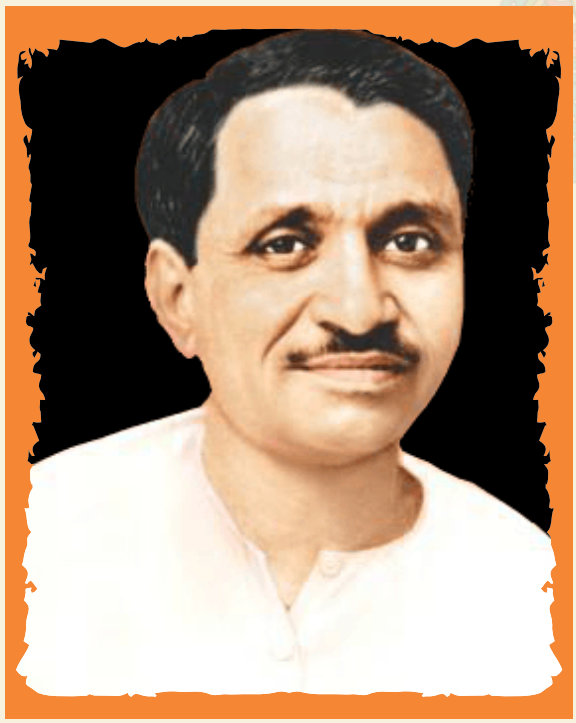
पं. मोती लाल नेहरू
(स्वतंत्रता सेनानी)



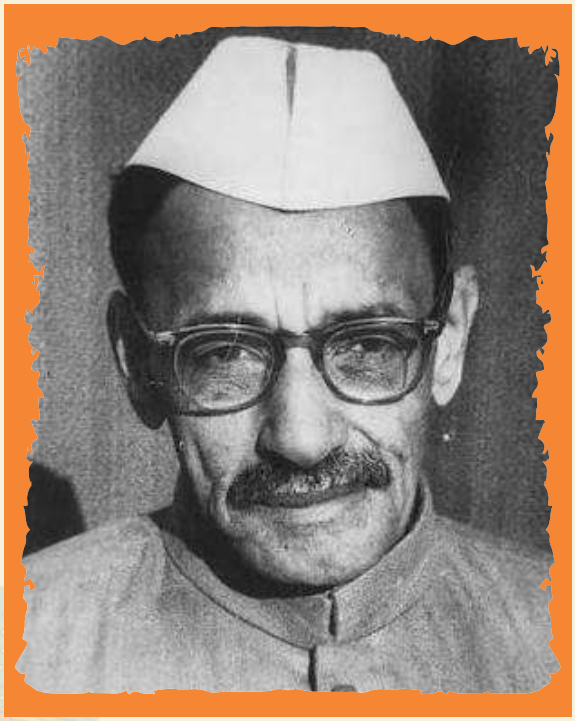
श्री हृदयनाथ कुंजरू
(सदस्य, संविधान सभा)



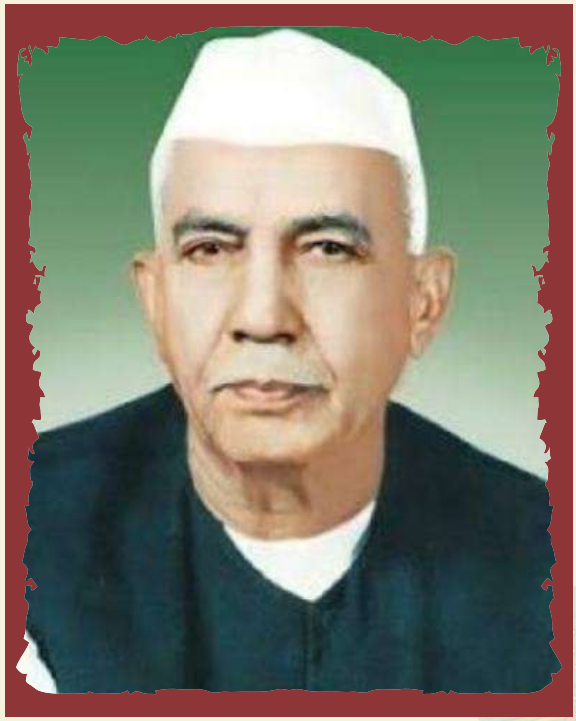
श्री तेज बहादुर सप्रू
(स्वतंत्रता संग्राम सेनानी)



पं. दीनदयाल उपाध्याय
(जनसंघ अध्यक्ष, विचारक एवं चिंतक)



श्री गुलजारी लाल नंदा
(स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री)



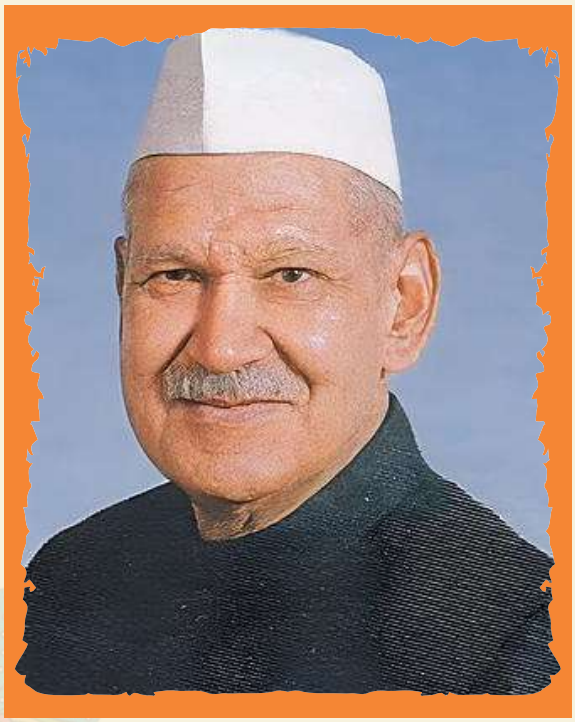
श्री चौ. चरण सिंह
(पूर्व प्रधानमंत्री)



श्री अटल बिहारी वाजपेयी
(पूर्व प्रधानमंत्री)



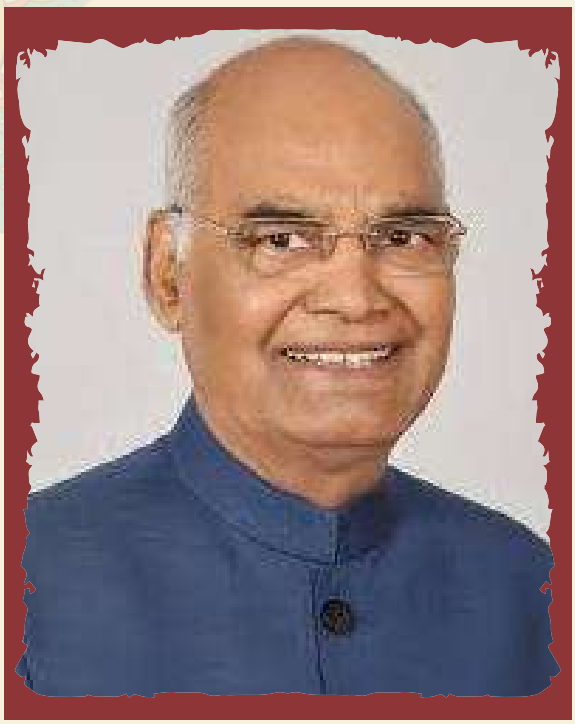
श्री गोपाल स्वरूप पाठक
(पूर्व उपराष्ट्रपति)



डॉ. शंकर दयाल शर्मा
(पूर्व राष्ट्रपति)



बाबू गुलाबराय
(प्रसिद्ध समीक्षक एवं साहित्यकार)



श्री रामनाथ कोविन्द
(पूर्व राष्ट्रपति)



श्री कल्याण सिंह
(पूर्व मुख्यमंत्री, उ.प्र.)



श्री मुलायम सिंह
(पूर्व मुख्यमंत्री, उ.प्र.)



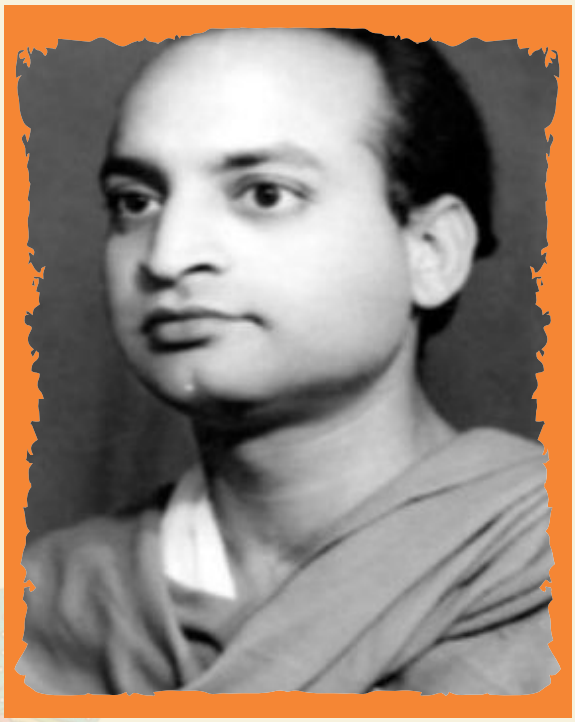
प्रो. नरेन्द्र सिंह कपानी
(भौतिक विज्ञानी)



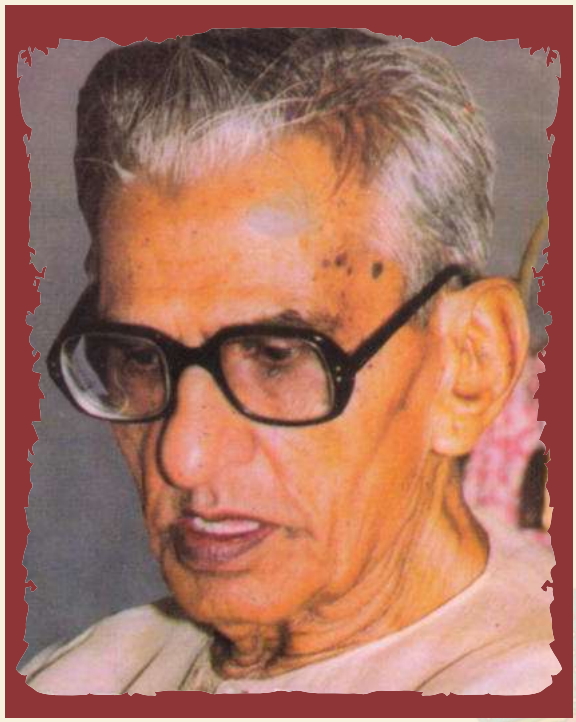
श्री अजीत डोभाल
(राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार)



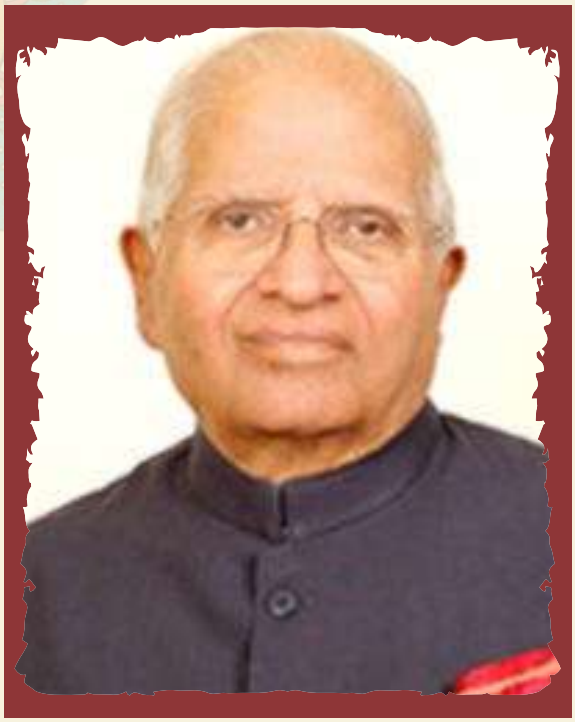
प्रो. प्रतिमा अस्थाना
(पूर्व कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय)



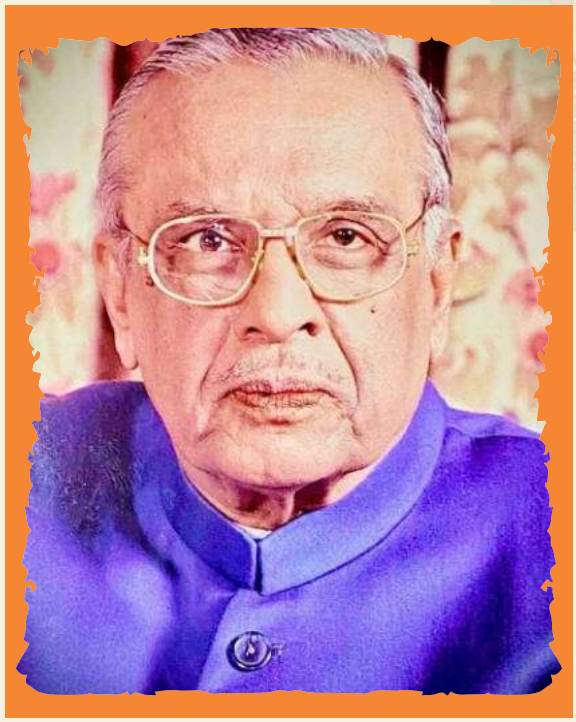
श्री रांगेय राघव
(साहित्यकार)



डॉ. नगेन्द्र
(साहित्यकार)



श्री शीलेन्द्र सिंह
(पूर्व विदेश सचिव एवं पूर्व राज्यपाल, राजस्थान)



प्रो. अगम प्रसाद माथुर
प्रतिष्ठित इतिहासकार, शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति
डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा



श्रीमती मीरा शंकर
(पूर्व राजनयिक एवं
अमेरिका में भारत की पूर्व राजदूत)



श्रीमती बेबीरानी मौर्य
(पूर्व राज्यपाल, उत्तराखण्ड एवं महिला कल्याण,
बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री, उत्तर प्रदेश)



श्री योगेन्द्र उपाध्याय
(उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश)



पूनम यादव
(अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर)

क.मा. मुंशी अभिलेख धरोहर संग्रहालय एवं शोध केंद्र

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ की स्थापना के साथ ही विद्यापीठ में हस्तलेखों, ताम्रपत्रों, प्राचीन नक्शों एवं प्राचीन सिक्कों आदि के संग्रह का कार्य प्रारम्भ हो गया था। विभिन्न स्रोतों से यह भारतीय प्राचीन धरोहर संकलित की गईं। वर्तमान में विद्यापीठ स्थित संग्रहालय में 1540 से अधिक हस्तलेख, सिक्के आदि उपलब्ध हैं।

हस्तलेखागार एवं संग्रहालय की विशेषताएँ (अनूठी प्राचीन सामग्री का संकलन)

भूर्जपत्र, ताड़–पत्र पर हस्तलेख, ज्योतिष, चिकित्सा, गणित, संगीत, विभिन्न लिपि, भाषा एवं साहित्य और भक्ति साहित्य के चित्रित हस्तलेखों के अतिरिक्त प्राचीन सिक्के भी इस संग्रहालय में संग्रहीत हैं, जिसका विवरण इस प्रकार है :

1. **ज्योतिष** : कुण्डली विचार, स्वरोदय–सिद्धान्त–पद, तंत्र–मंत्र, शकुन, पक्षी–विचार, रमल, शीघ्रबोध ग्रहोदय, राशिफल, मंत्र शास्त्र, चमत्कार–चिंतामणि, ज्योतिष शास्त्र, पाराशरी टीका, नागमंत्र, वृंद सतसई, तुरकी सगुनावली, होराध्याय आदि ।
2. **चिकित्सा** : वैद्यक सार, वैद्य जीवन, कालज्ञान सार, स्वास्थ्य पुस्तिका, रोग निश्चय, वैद्य रत्न, चिकित्सांजन, दिल्लगन चिकित्सा आदि।
3. **इतिहास–ख्यात** : जोधपुर के राजाओं से सम्बन्धित राठौड़ों की विधि, चकता की पातशाही, शोमल स्तुति, तैमूरशाह समरकंद की वार्ता, कुतुबुद्दीन शाहजादा की वार्ता, सिखों का इतिहास, इतिहास सार समुच्चय आदि।
4. **राजनीति** : राजनीति शास्त्र, चाणक्य नीति, राजनीति के कवित्त, लघु चाणक्य आदि।
5. **लिपि** : देवनागरी, शारदा, मोड़ी, उड़िया, बाँग्ला, गुरुमुखी और नस्तालीक।
6. **भाषाएँ** : संस्कृत, बाँग्ला, उड़िया, राजस्थानी, हिन्दी, उर्दू, फारसी, पंजाबी, पिंगल, प्राकृत, ब्रज भाषा, अपभ्रंश आदि ।
7. **साहित्य** : भाषाविज्ञान, साहित्य, रस, अलंकार, रास, धातु संग्रह, व्याकरण, कथा, कोश चरित्र, बारहमासा, शृंगारी कवियों तथा अन्य प्राचीन कवियों का साहित्य आदि।
8. **भक्ति साहित्य** : वेद, ज्ञान, वैराग्य, संत–साहित्य, वाणी आदि।.
9. **चित्रित हस्तलेख** : मसनवी, सारंगा सदावृक्ष के 47 चित्र, शालिहोत्र 70 चित्र सहित, स्वर्ण मंडित विनय पत्रिका, क्षेत्र समास, रस तरंगिनी, भागवत एकादश स्कंध 76 चित्र, सिखों के रियासती राजाओं के चित्र, दीवान जामी सचित्र आदि।
10. **गणित** : क्षेत्र समास, गणित नाममाला, गणित लेख और कवित्त।
11. **संगीत** : संगीत–दर्पण, संगीत रत्नाकर आदि।
12. **धर्म** : हिन्दू, जैन, सिख आदि।
13. **पेटिंग** : 1. कवि केशव कृत बारहमासे के चित्र
    2. पाबूजी का चित्रित पट।
14. **मानचित्र** : 1. शाहजहाँ कालीन आगरा की इमारतों का मानचित्र।
    2. दिल्ली के लालकिले का मानचित्र।
15. विभिन्न रियासतों के प्राचीन सिक्के

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की विगत एक वर्ष की उपलब्धियाँ

प्रमुख उपलब्धियाँ

- 1 जुलाई, 2026 को विश्वविद्यालय अपना 100वां स्थापना दिवस मना चुका है। प्रवेश, परीक्षा और परिणाम समयबद्ध हो गए हैं जिसका परिणाम है कि दीक्षांत समारोह समय से संपन्न हो रहा हैं। विश्वविद्यालय की सभी इकाइयां छात्र हित में एकजुट हैं।
- हम अब 100वें वर्ष में नवीनतम तकनीकी के जुड़ाव के साथ प्रवेश कर रहे हैं। विश्वविद्यालय का अपना इनक्यूबेशन सेंटर है जिसमें 15 स्टार्टअप चल रहे हैं।
- नैक का ए+ ग्रेड प्राप्त होने से विश्वविद्यालय के प्रति अभिज्ञान में सकारात्मक बदलाव आया है और विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनी है।
- विगत वर्षों की तुलना में छात्र संख्या में भी अपेक्षित वृद्धि हुई है। प्रत्येक क्षेत्र में छात्रों की उपलब्धियां भी बढ़ गई हैं।
- विश्वविद्यालय में एक 'अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ' (इंटरनेशनल रिलेशंस सेल) का गठन किया गया है। 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल के माध्यम से भारत के बाहर के देशों के शिक्षार्थी पर्याप्त संख्या में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए यहाँ आवेदन कर रहे हैं। इस दिशा में सार्थक प्रयासों के तहत अब तक 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।
- मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी MGIMO से प्रतिवर्ष रूसी विद्यार्थी हिन्दी सीखने विश्वविद्यालय के के.एम.आई. संस्थान में आते हैं और इसी क्रम में यहाँ के विद्यार्थी भी रूसी भाषा सीखने के लिए रूस जाते हैं ।
- विश्वविद्यालय के पालीवाल पार्क स्थित केन्द्रीय पुस्तकालय का जीर्णोद्धार करके उसे नवीनतम तकनीकियों और विश्वस्तरीय ग्रन्थों से सुसज्जित किया गया है ताकि विद्यार्थियों को पुस्तकालय से संबंधित संपूर्ण सूचनाएँ एवं सुविधाएँ प्राप्त हो सकें ।
- खेलो इंडिया में विश्वविद्यालय ने अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।
- पीएम उषा के अंतर्गत 20 करोड़ रूपए के अनुदान से उच्चतम तकनीकी उपकरण सुविधाओं का एक केन्द्र विकसित किया जा रहा है, जिसे महर्षि कणाद के नाम पर 'कणाद भवन' की संज्ञा दी गयी है। इससे शोध और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।
- कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी के अभिलेख धरोहर संग्रहालय में स्थित 1540 पाण्डुलिपियों के संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। 'वृंदावन शोध संस्थान,

वृंदावन' की सहायता से यह कार्य निःशुल्क रूप से सहयोगात्मक आधार पर किया जा रहा है। इस संग्रहालय की वेबसाइट विश्व भर के ज्ञान पिपासुओं को विश्वविद्यालय के इस संग्रहालय से जोड़ सकेगी।

- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विगत वर्ष में 39 से भी अधिक समझौता ज्ञापन (MOU) हस्ताक्षरित किए गए हैं, जो विश्वविद्यालय और विभिन्न विदेशी सांस्कृतिक, साहित्यिक और शैक्षिक संस्थानों के मध्य परस्पर ज्ञान अनुसंधान के सार्थक आदान–प्रदान की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।
- विश्वविद्यालय नवीन परिवेश की चुनौतियों का सामना करने के लिए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष बल दे रहा है। इस संदर्भ में अधुनातन शोध एवं नवाचार आधारित पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है।
- राजभवन के निर्देश पर इनफ्लिबनैट से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं जिससे नवीनतम तकनीकी से हमारे विद्यार्थी सज्जित हो सकेंगे।
- विश्वविद्यालय की आधारभूत संरचना का विकास किया गया है।
- राजभवन के निर्देश पर विद्यार्थियों में शारीरिक विकास के लिए एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया था जिसमें छात्रों ने बढ़–चढ़कर भागीदारी की।
- विश्वविद्यालय इंडस्ट्रियल कोलैबोरेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य की योजनाओं को रूपाकार दे रहा है।
- सभी शिक्षक शोध को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं पर भी कार्य कर रहे हैं।
- विश्वविद्यालय में पहली बार एक द्विसाप्ताहिक अंतरविषयी–अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 'भारतीय ज्ञान परंपरा : कल, आज और कल' अत्यंत उल्लास से सफलतापूर्वक आयोजित की गई है। सुखद है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अपनाकर हमारा विश्वविद्यालय अपनी शैक्षिक और संस्थागत विसंगतियों को दूर करते हुए विषयगत, प्रक्रियागत और संरचनागत बदलाव की दिशा में अग्रसर हुआ है।
- अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय ने क्षय रोगियों को निक्षय स्वास्थ्य पोटली वितरित की।
- विश्वविद्यालय समर्थ पोर्टल के माध्यम से अपनी समस्त कार्य प्रणाली जैसे : प्रवेश, परीक्षा, नियुक्ति, परीक्षा परिणाम आदि का सफलतापूर्वक संपादन कर रहा है।
- महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति गंभीर प्रयास करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा उनके लिए स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया गया, विशेषतः BMI का भी परीक्षण किया गया।

कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी तथा भाषाविज्ञान विद्यापीठ

यह डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का प्रथम संस्थान है। विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुख्य प्रेरणा तत्कालीन राज्यपाल उ. प्र. एवं गुजराती साहित्य के लब्ध प्रतिष्ठित रचनाकार एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी की थी। मुंशी जी के नाम से ही 14 दिसम्बर 1953 को विद्यापीठ की स्थापना हुई । विद्यापीठ की स्थापना के पीछे मुंशी जी की परिकल्पना यह थी कि इस शोध केन्द्र के माध्यम से भाषा का संवर्द्धन एवं अन्य भाषाओं से हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन को दिशा मिल सकेगी। प्रो. विश्वनाथ प्रसाद, प्रो. माताप्रसाद, प्रो. रामविलास शर्मा, प्रो. विद्यानिवास मिश्र एवं प्रो. गणपतिचन्द्र जैसे लब्ध प्रतिष्ठित विद्वानों ने विद्यापीठ के निदेशक पद को सुशोभित किया है। विद्यापीठ की स्थापना के उद्देश्य इस प्रकार हैं – हिंदी भाषा एवं साहित्य के संवर्द्धन हेतु शोध केन्द्र के रूप में विकास, तुलनात्मक साहित्यिक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, यत्र–तत्र बिखरी पड़ी हिंदी तथा अन्य भाषाओं की पाण्डुलिपियों का संरक्षण एवं उन पर अनुसंधान करना।



विद्यापीठ में संचालित विभागों के नाम :

- आधुनिक भारतीय भाषा विभाग (हिंदी विभाग)
- विदेशी भाषा विभाग
- संस्कृत विभाग
- भाषाविज्ञान विभाग,
- जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग
- बी.ए. (भाषा संकाय)

विद्यापीठ में संचालित पाठ्यक्रम :

- डी. लिट्.
- एम. ए. (हिंदी, भाषाविज्ञान, संस्कृत, फ्रेंच एवं रशियन)
- एम.एससी. कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स
- भाषाविज्ञान में डिप्लोमा
- सर्टीफिकेट (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- एडवांस्ड डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- पीएच.डी. (हिंदी, भाषाविज्ञान, फ्रेंच)
- जनसंचार में पी.जी. डिप्लोमा
- डिप्लोमा (रशियन, फ्रेंच, जर्मन)
- भाषा संकाय में स्नातक



विश्वविद्यालय के जुबली हॉल में हिंदी विभाग द्वारा आयोजित द्वि–साप्ताहिक अंतरविषयी अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला 'भारतीय ज्ञान परंपरा : कल, आज और कल' में पुस्तक विमोचन करते हुए माननीय कुलपति जी एवं आमंत्रित अतिथि

हिंदी विभाग

शिक्षकों का विवरण : हिंदी विभाग

- प्रो. प्रदीप श्रीधर, आचार्य एवं निदेशक
- डॉ. केशव कुमार शर्मा
- डॉ. मोहिनी दयाल
- डॉ. रमा
- श्रीमती प्रीती यादव (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)
- प्रो. रामशंकर कठेरिया
- डॉ. अमित कुमार सिंह
- डॉ. शालिनी श्रीवास्तव
- श्रीमती कंचन (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)

हिंदी पखवाड़ा



भाषाविज्ञान विभाग

Established in 1956. Our linguistics programs seek to educate our students and the wider world about the nature, structure, and function of language. The focus is on the scientific study of human language and the creation of a multidisciplinary research culture in areas such as language technology, corpus linguistics, language in society, language learning and acquisition, Language Teaching, and translation studies. Since the study of language falls at the crossroads of



several disciplines (psychology, social science, cognitive science, philosophy, literary and cultural studies, education, and computer science), linguistics is by nature interdisciplinary, and succeeds best when it integrates a variety of perspectives. Our aim is to provide students with a comprehensive education in linguistics, including an understanding of the diversity of languages throughout the world, including both standard and non-standard varieties, how language is structured, how it is learned, how it changes, and how it enables communication.

- डॉ. नीलम यादव • डॉ. रणजीत भारती (अवकाश पर) • डॉ. रीतेश कुमार (अवकाश पर)
- श्रीमती पल्लवी आर्य • डॉ. राजकुमार
- श्री सूर्यमणि (आर्यभट्ट शिक्षण सहायक)

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Research Paper Published : 9
- Chapter in Book : 1
- Books : 3
- Seminar : 2
- FDP / Invited Lecture/Patent : 5





संस्कृत विभाग

- डॉ. वर्षा रानी

विगत एक वर्ष में विभागीय गतिविधियाँ :

- 7 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर 24जून से 30 जून 2025 (प्रतिभाग संख्या – 125)
- जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज कार्यक्रम 16जुलाई 2025
- मंडल स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज कार्यक्रम 22 अगस्त 2025
- 13 फरवरी 2026 ऑनलाइन एकादशी राष्ट्रीय संगोष्ठी

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Books : 4
- Patent : 2
- Research Paper : 3
- Research Paper Published in Scopes Journal : 2







विदेशी भाषा विभाग

The Department of Foreign Languages, established in 1956, is one of the distinguished academic departments dedicated to promoting multilingual education and intercultural understanding. Since its inception, the department has played a vital role in the teaching and advancement of major foreign languages, including French, Russian, and German. It has strengthened its global academic presence by signing several Memorandums of Understanding (MoUs) with reputed international universities, particularly in countries such as Russia and Uzbekistan, encouraging collaborative research, student exchange, and cross-cultural cooperation.

- Dr. Pradeep Kumar
- Mr. Anuj Garg
- Mr. Angad
- Dr. Sandeep Singh
- Mr. Vishal Sharma
- Dr. Krishna Kumar

विगत एक वर्ष में विभागीय गतिविधियाँ :

- Memorandum of Understanding (Mou) with Herzen State Pedagogical University, St. Petersburg (Russia) and Department of Foreign Languages, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. (20/04/2026)
- Memorandum of Understanding (Mou) with Uzbekistan State University of World Languages, Tashkent, Uzbekistan and Department of Foreign Languages, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra (18.11.2025)
- Memorandum of Understanding (MoU) with Moscow State Institute of International Relations (MGIMO University), Russia and Department of Foreign Languages, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra (17.11.2023)
- "Culinary Diplomacy: Indo-Russian Cultural Interaction Day" Successfully organized at Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra with the students from Moscow State Institute of International Relations, Russia. (23.04.2026)
- Under the MoU 03 students from Department of Foreign Languages, KMI, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra went to MGIMO University and completed their short-term course of Russian languages and culture. (18.02.2026 - 15.05.2026)
- A International Geoprompting Workshop on AI organized by Department of Foreign Languages from 05.02.2026 to 07.02.2026.
- A meeting was held between Herzen State Pedagogical University, St. Petersburg (Russia) and Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra. The meeting was organised by the Department of Foreign Languages (KMI), Dr. Bhimrao Ambedkar University, in coordination with the International Relations Cell. The discussion focused on academic cooperation, collaborative opportunities, and strengthening international ties between the two institutions. (14.01.2026)





CENTRE FOR TRANSDISCIPLINARY STUDIES (CTARNS)

The Centre for Transdisciplinary Studies was established in 2020 with the objective of promoting inter- and transdisciplinary studies at the University. Traditionally, academic departments function independently with limited collaboration. However, modern research increasingly requires interdisciplinary approaches to solve real-world problems effectively.

The Centre provides a platform where multiple disciplines work together seamlessly toward common research goals. It enables departments to collaborate on academic programs requiring expertise from two or more disciplines while maintaining their traditional academic structures and responsibilities.

Programs of Study

- M.Sc. in Computational Linguistics

Collaborating Departments

- Department of Linguistics
- Department of Statistics
- Department of Mathematics
- Department of Computer Science

Industry Partners

- Microsoft Research India
- UnReal-TecE LLP
- Panlingua Language Processing LLP
- Saarthi.ai
- Council for Strategic and Defense Research

Research and Co-curricular Activities

The Centre provides opportunities for advanced research and professional development through:

- Funded research projects on corpus building and processing of Indian languages
- SpeeD-TB Project
- Workshops and training programs
- Outreach activities and research presentation opportunities
- LT4MT programs
- ComMA Project
- TRAC Workshops

Placement and Job Opportunities

The M.Sc. in Computational Linguistics program offers opportunities in:

- NLP Expert roles
- Computational Linguistics
- Research Associate and Research Assistant positions
- Ph.D. opportunities at Central Universities, IITs, NITs, and international institutions
- Language Engineering
- Teaching and academic careers

जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

- डॉ. संदीप कुमार



विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और शूमाकर सोसायटी, दिल्ली के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत युवाओं में सही एवं विश्वसनीय

समाचारों के प्रति जागरूकता विकसित करने, असत्य एवं भ्रामक सूचनाओं की पहचान करने का प्रशिक्षण देने, विद्यार्थियों में पत्रकारिता के मूल्यों को विकसित करने और आंकड़ों व सूचनाओं की तथ्यपरक जांच करने की क्षमता विकसित करने पर कार्य किया जाएगा। साथ ही मीडिया एवं सूचना क्षेत्र में विदेशी हस्तक्षेप जैसे विषयों के प्रति भी विद्यार्थियों को जागरूक किया जाएगा।



- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा शूमाकर सोसायटी, दिल्ली और सेंटर फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस के सहयोग से 27 नवंबर 2025 को एक अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

संस्थान के शिक्षकों की अकादमिक उपलब्धियाँ

प्रायोजित शोध परियोजनाएँ	: 02	प्रकाशित पुस्तकें	: 07
संपादित पुस्तक में संकलित आलेख	: 16	संपादित पुस्तकें	: 10
संगोष्ठियों में सहभागिता	: 14	पुरस्कार	: 07
संगोष्ठियों में शोध–पत्र प्रस्तुतीकरण	: 11	मुख्य वक्ता के रूप में संगोष्ठियों में सहभागिता	: 09
प्रकाशित शोध पत्र	: 07	राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन	: 06



बी.ए. भाषा संकाय

- डॉ. मोहिनी दयाल, समन्वयक
- डॉ. शिरीन जैदी, सह–समन्वयक



समाज विज्ञान संस्थान

Department of Sociology

The Department of Sociology came into existence in the year 1956 as an integral part of the Institute of Social Sciences (the then Agra University Agra) now Dr. Bhim Rao Ambedkar University Agra. It was aimed to impart postgraduate teaching and research in Sociology along with Social Work and Social Psychology. The department is regarded as a role model for teaching and research in Sociology due to its high standards. Research is an essential aspect of the activities of the members of the department. The number of students in department limit to only one section 40 earlier and now 60 students for M.A. and for Ph.D. 8 seats for Professors, 6 seats for Associate Professors and 4 seats for Assistant Professors.



The Department has had a remarkable history. Renowned professors Prof. Dhanagray, Prof. S.K Srivastava, Prof. Yogesh Atal, Prof. Yogendra Singh, Prof. B.R Chauhan,Prof. Chandi Prasad ,Prof. S.V Pandey and Prof. Brijesh Chandra had served the Department.

Name of Courses :

- M.A. • Ph.D.

Faculties :

- Prof. Md. Arshad
- Dr. Soumya Sharmishtha Mallick
- Miss. Sacnhita Agarwal
- Mrs. Ruby Singh
- Dr. Priyanka
- Mr. Ankur Jain
- Mrs. Usha

- **Paper Published : 06** • **Paper Presentation : 13** • **FDP/Workshop : 14**





Department of Social Work

The Institute of Social Sciences, Paliwal Park campus, Agra, was established in the year 1954 for promoting teaching and research in Social Sciences and other related disciplines. The Department of Social Work as an integral part of the Institute of Social Sciences, is committed to promoting social change through transformative education, research, and community engagement. Guided by the vision of building a just, equitable, and inclusive society, the department prepares competent and compassionate professionals dedicated to the values of social justice, equity, diversity, and inclusion. Through innovative teaching practices, impactful research, and meaningful collaborations, it nurtures critical thinkers and change-makers capable of addressing contemporary social challenges.

The faculty of the Department of Social Work plays a pivotal role in shaping the academic, professional, and ethical development of students pursuing careers in social work. Comprising experienced educators, researchers, and practitioners, the faculty brings a wealth of knowledge and expertise from diverse fields, including Human Resource Management, Labour Welfare and Labour Legislation, Medical and Psychiatric Social Work, Correctional Administration, Public Health, and Human Rights. Their multidisciplinary backgrounds enrich the teaching-learning process and provide students with a comprehensive understanding of complex social issues, enabling them to develop the knowledge, skills, and values necessary for effective professional practice and social transformation.

Courses :

- D. Litt.
- Ph. D.
- M.S.W. (Master of Social Work)

Present Faculty Members :

- Prof. Ran Vir Singh
- Dr. R.K. Bharti
- Dr. Rajeev Verma
- Dr. Mohd. Husain
- Dr. Rajesh Kushwaha
- Ms. Swati Rajput
- Ms. Aishwarya Singh

विगत एक वर्ष में प्राप्त उपलब्धियाँ :

- Paper titled "Equality and Identity: Examining the Socio-Legal Status of Third Gender in India" published in peer-reviewed International Journal of Recent Advances in Multidisciplinary Topics (IJRAMT), Volume 7, Issue 2, February 2026, E-ISSN: 2582-7839, RESAIM Publishing, www.resaim.com
- Prof. Ranvir Singh has published a paper on "Empowering Women through Anganwadi Services: An Analytical study of the Socio-Economic status of Agananwadi workers in India" in International Journal for Multidisciplinary Research (IJFMR) Vol. 8 Issue 3. May- June 2026 E-ISSN-2582-2160
- Gandhian Swaraj: Meaning and Concept , Shodh Drishti (An International Peer Reviewed Multidisciplinary Refereed Research Journal), Vol. 17, No. 3.1, March 2026, ISSN: 0976-6650





Department of Statistics

Department of Statistics is an integral part of Institute of Social Sciences. Department of Statistics was established in the Institute as an important constituent department of Institute of Social Sciences along with Social Work and Sociology. The department of Statistics came into existence in 1956, which is the second oldest Statistics department of U.P. and is third oldest department of Northern India. The vision of the department is to attain peaks of excellence in the dissemination of Statistical Knowledge and Learning with a view to develop Global Competencies and contribute to National Development by generating trained manpower.

Department of Statistics offers following courses:

- Ph. D. (Statistics)
- M. Stat. (Master of Statistics) Under NEP-2020
- M.Sc. (Data Science) Under NEP-2020 (Self Finance)
- B.A/B.Sc. (Statistics) Under NEP-2020 (Self Finance)





Current Faculty Profile

- Dr. Ranjana Gupta
- Dr. Minakshi Pachauri
- Ms. Ritu Agarwal
- Ms. Ruchi Shakya

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Book Publication : 2
- Research Paper Published : 1
- Participation in workshops : 10

गृह विज्ञान संस्थान

The Institute of Home Science, located at Khandari, was established in 1968 and enjoys the status of being the first Home Science education center of the state. It was initially christened as Institute of Household Art and Home Science. In the beginning B.A, [Household Art] and B.Sc. [Home Science] courses of two years were pursued. In 1970, M.A. [Household Art] and M.Sc. [Home Science] courses were introduced. Courses entitled "PG Diploma in Nutrition and Dietetics" and "M.A. (Home Science) were started in the session of 2022-23. Courses entitled "Certificate course in NGO Management, Diploma in Apparel Design and Textile design" were started in the session of 2022-2023.

Courses :

- B.Sc. (Home Science)
- M.Sc. (Home Science) General
- M.Sc. (Home Science) Specialization in- 1. Human Development and Family Studies, 2. Food and Nutrition, 3. Extension, Communication and Management
- M.A. (Home Science)
- PG Diploma in Nutrition and Dietetics
- Certificate Course in NGO Management
- Diploma in Apparel Design
- Diploma in Textile Design
- Certificate Course in Food Processing and Preservation



Faculty Members :

- Prof. Achla Gakkhar
- Prof. Archana Singh
- Dr. Sanghmitra Gautam
- Dr. Rashmi Sharma
- Dr. Neha Saxena
- Dr. Anupama Gupta
- Dr. Deepti Singh
- Dr. Priya Yadav
- Dr. Preeti Yadav
- Dr. Kavita Singh
- Mrs. Neha Agarwal
- Dr. Preeti Yadav

विगत वर्षों में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालायें

- Research Paper Published : 21
- Chapter in Book : 23
- Book Publication : 7
- FDP/Workshop/Short Term Training Program : 32
- Paper Presentations : 5
- Invited Lecture/Resource Person : 20
- Awards/Recognitions : 6
- Patent/MoU : 3
- Departmental Activities during one year : 32









मौलिक विज्ञान संस्थान (आई.बी.एस.)

Department of Physics

The Department of Physics was established in 1981 by introducing a M.Phil. (Physics) course and engaged in research and academic activities since last 43 years. At present, M.Sc. (Physics) course is running in the Department of Physics under National Education Policy-2020. The Graduation Course under National Education Policy-2020 with the collaboration of other Science Faculty departments is also running in the Department. Efforts have been always made to develop the Department as a leading research center in the selected areas of recent Physics. Such areas are Condensed Matter Physics, Solid State Physics, Solar Physics, Material Science, Renewable energies and Nanotechnology. Remedial Classes scheme has been implemented in the Department. Under Tutor guardian scheme, every teacher is guardian of the assigned students and responsible for the complete development of students, taking care of the physical, mental, emotional and psychological development. Biometric attendance is compulsory and supervision of departmental activities were carried out under CCTV cameras.



Courses : • Ph.D. (Physics) • M.Sc. (Physics) • B.Sc. (Physics)

Faculties



- Dr. B. P. Singh, M.Sc. (Physics), M.Phil., Ph.D.
- Dr. Bindu Shekhar Sharma, M.Sc. (Physics), M.Phil., Ph.D.
- Dr. Ashutosh Dwivedi, M.Sc. (Physics), Ph.D.
- Dr. Shrikrishna, M.Sc. (Physics), Ph.D.
- Dr. Manvendra Pratap Singh, M.Sc. (Physics), Ph.D.
- Dr. Akanksha Agarwal, M.Sc. (Physics), Ph.D.



- **Abstracts/Paper Presentations/ Seminars/Conference/Workshop : 10**
- **Awarded : 2**
- **Book/Book Chapter Published : 1**
- **Paper Publication : 12**
- **Activities : 04**

Department of Chemistry

Department of Chemistry, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra was established in the year 1981. This department is well known for excellent research and academics and from the very beginning has strived hard for quality teaching and research. Department has played a significant role in the field of spreading the scientific knowledge among the students who are placed in good position in the field of academics, industry, R&D and in National & International Institute etc. It has been recognized as FIST (DST) supported from 2012-2017. The Department faculty has carried out many projects sponsored by UGC, CSIR, DST (New Delhi), State Government, DRDO etc.



विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D in Chemistry
- M.Sc. Chemistry
- B.Sc



विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

1. Prof. Ajay Taneja, M.Sc., Ph.D., NET, FICC, FICS, MNASc. (on leave)
2. Prof. Devendra Kumar, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
3. Prof. Gautam Jaiswar, M.Sc., NET, Ph.D.
4. Dr. Amit Gupta, M.Sc., Ph.D.
5. Dr. Priyanka Agarwal, M.Phil., Ph.D.
6. Dr. Anshika Hajela, M.Sc., Ph.D.

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ



- Conference/Seminar/Webinars : 25
- Research Paper : 25
- Book Chapter : 2
- MoU : 3

Other information:

- Best Paper Presentation award to Ms Neelam in 95th Annual session of NASI, IIT Guwahati, 8- 10 December, 2025.

Department of Mathematics

The Department of Mathematics at Agra University (renamed as Dr. Bhimrao Ambedkar University) started in 1981 to run M.Phil. program. Later on, M.Sc., M.C.A., Diploma and Certificate courses in Computer Science were introduced. The Department has been supported by National Board for Higher Mathematics. At present, the department is also the Centre of Excellence in Mathematics (U.P. State Govt,). The faculty members are regularly attending seminars/conferences in India and abroad. The Computer Lab of the department is equipped with 15 computers with MATLAB software. All the classrooms have become Smart Class Room with financial support under RUSA. The research areas in the department have been Fluid Mechanics, Operation Research, Reliability Theory, General Topology, Complex Analysis, Bio Mathematics, Mathematical Cryptography and Fuzzy Mathematics. The department has organized several workshops and conferences (including ORSI, IAPS, VPI, Ramanujan Mathematical Society etc.). The Department in its existence of 38 years has produced more than 75 Ph.D. During this period, the faculty members have published more than 400 research articles and completed more than a dozen research projects. The faculty members have also contributed by writing several books (including those for NCERT and UGC) and by Video lectures for UGC classroom project.



Courses offered by the Department : • B.Sc. • M.Sc. • Ph.D.

Faculty Details:

1. Prof. Sanjay Chaudhary, M.Sc., M.Phil., Ph.D. (HoD)
2. Prof. Sanjeev Kumar, M.Sc., M.Phil., Ph.D. (on leave)
3. Dr. Diksha Gautam, M.Sc., Ph.D.
4. Dr. Mamta Keswani, M.Sc., M.Phil., Ph.D.
5. Ms. Tanu, M.Sc., NET
6. Dr. Shyamli Gupta, M.Sc., Ph.D., NET JRF



- **Conference, Seminars and Workshop organized in the Department : 06**
- **Research Paper Publication : 03**
- **Book Publication : 01**
- **Invited Lectures/Resource Person (self) : 03**

Other information:

- Established a Computer Laboratory equipped with 15 computers and MATLAB software.
- All classrooms have been upgraded into Smart Classrooms with support under the RUSA & PM- USHA scheme.
- Active research areas include Fluid Mechanics, Operations Research, Reliability Theory, General Topology, Complex Analysis, Biomathematics, Mathematical Cryptography, and Fuzzy Mathematics.
- Produced more than 75 Ph.D. scholars during its 38 years of academic contribution.
- Faculty members have published over 400 research papers in reputed journals.
- Faculty members have authored several academic books, including books for NCERT and UGC.

फार्मेसी विभाग

The Institute of Pharmacy and Paramedical Sciences is one of the premier institutions for pharmaceutical education in Uttar Pradesh. Established in 2002 as the Department of Pharmacy under the Faculty of Medicine at Dr. B.R. Ambedkar University, the institute was founded with a vision to promote excellence in pharmacy education and to prepare future professionals capable of meeting the evolving challenges of the pharmaceutical industry, academia, research, and healthcare sectors. The institute is committed to delivering quality education through innovative teaching





methodologies, advanced technologies, and well-developed academic resources. It offers a wide range of professional programs approved by the Pharmacy Council of India, including D.Pharm, B.Pharm, B.Pharm (Lateral Entry), M.Pharm (Pharmaceutics, Pharmaceutical Chemistry, and Pharmacognosy), Pharm.D, and Pharm.D (Post Baccalaureate). The department is equipped with modern, state-of-the-art laboratories featuring advanced analytical instruments and dedicated research facilities. It also houses a well-stocked library, computer laboratories, reprographic services, and high-speed internet access to support academic learning, research, and knowledge development for both students and faculty members. Smart classrooms equipped with multimedia and LCD teaching aids further enhance the learning experience. Keeping pace with the dynamic advancements in pharmaceutical education and healthcare sciences, the institute continuously adapts to emerging trends and academic innovations. To enrich academic exposure and professional development, the department regularly organizes expert lectures, seminars, workshops, and interactive sessions by distinguished academicians, industry leaders, researchers, and eminent personalities. These initiatives help foster innovation, confidence, competence, and a spirit of excellence among students and faculty alike.

Details of courses conducted in the Department

• D. Pharm • B. Pharm • Pharm. D • M. Pharm (Pharmaceutics) • Pharm. D (PB) • M. Pharm (Pharmaceutical Chemistry) • M. Pharm (Pharmacognosy)

Teaching Faculties :

- Prof. Brijesh Kumar Tiwari
- Dr. Manoj Kumar Yadav
- Dr. Vijay Kumar Yadav
- Dr. Swetlana
- Dr. Gaurav Rajauria
- Mr. Mukul Yadav
- Ms. Aastha Sharma
- Ms. Rashi Kulshrestha
- Ms. Neeru Jain
- Ms. Swarnim Jain
- Dr. Keshar Singh
- Dr. Ravi Shekhar
- Dr. Pratibha Mishra
- Dr. Gyanendra Singh
- Dr. Arinjay Jain
- Dr. Sajal Agarwal
- Ms. Anjali Chouhan
- Ms. Shivali Dhikonia
- Mr. Akhalesh Kumar
- Mr. Gaurang Sharma
- Mr. Sanjeev Kumar
- **Research / Review Papers : 1**
- **Patens : 01**
- **Books/Book Chapters : 08**
- **Seminar / Workshop : 29**
- **MoU : 02**

दाऊ दयाल व्यावसायिक शिक्षण संस्थान

Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra imparts vocational education through Dau Dayal Institute of Vocational Education (DDIVE), Khandari Campus, Agra. Established in the year 1994 Dau Dayal Institute of Vocational Education is a premiere institute of vocational education imparting education through various courses. In view of the globalization of education and economy, these courses are more relevant and career-oriented with focus on quality and excellence. During the course work grooming of students is done on various parameters such as teaching, labwork, skill development, on the job training, project work, industry visits etc., so as to make impact on National/International levels. It is envisaged that professionally qualified graduates with a sound knowledge of their core discipline and expertise in a concerned field will have more openings in service, industry and self-employment sectors.



विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.Sc (Vocational)
- B.Com. (Vocational)
- B.Com. (NEP)
- B.Com. (Banking, Financial Services and Insurance)
- M .Sc.
- M.Com.
- Ph. D (Instrumentation)

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Prof. Santosh Behari Sharma
- Prof. Sharad Chandra Upadhyaya
- Dr. Praveen Kumar
- Dr. Krishna Kumar Pachauri
- Dr. Kaushal Rana
- Dr. Sanjeev Sharma
- Dr. Ashish Mishra
- Mr. Naveen Kumar Gupta
- Dr. Shikha Kannojia
- Mr. Nishant Chauhan
- Ms. Nidhi
- Dr. Upasana
- Mr. Sunil Kumar
- Dr. Preeti Sharma
- Dr. Ashish Dhar Mishra
- Ms. Mayuri
- Ms. Pallavi

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **संगोष्ठी सहभागिता : 01**
- **कार्यशाला, संगोष्ठी : 01**
- **शोध पत्र प्रकाशित : 05**
- **पुस्तक प्रकाशनः 02**



अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संस्थान (आई.ई.टी.)



The Institute of Engineering & Technology (IET), Agra, established in 1998 as a government-aided autonomous unit of Dr. Bhimrao Ambedkar University, stands as a premier AICTE-approved destination for technical excellence. Spanning a vibrant 24.77-acre campus, IET offers B.E. programs in Computer Science & Engineering, Mechanical, Electronics & Communication, Civil, and Electrical Engineering. Nationally recognized for its innovation ecosystem, the institute holds a "PROMISING" band rank in ARIIA 2021 and a Four-Star IIC rating. A central attraction is the Vivekananda Incubation Foundation (VIF), a Section 8 non-profit company supported by the UP Government that nurtures a startup culture by providing 12 dedicated incubators with free setup, Wi-Fi, and mentorship for visionaries in sectors like agriculture and health. Infrastructure highlights include 10 ICT-enabled classrooms, 44 specialized laboratories-featuring 3D Printing and MATLAB facilities-and a central library housing over 1,58,000 books. Our students are national winners, having secured First Prize in the 2019 National Hackathon, with graduates frequently joining MNCs like TCS, IBM, and Infosys. The campus provides a holistic environment with comprehensive hostels for boys and girls, a community radio station, and extensive sports facilities. Admission 2026 is streamlined via the Samarth Portal, and the institute proudly welcomes international diversity by accepting students through the Study India portal.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Computer Science Engineering
- Mechanical Engineering
- Electrical Engineering
- Electronics & Communication Engineering
- Civil Engineering

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Dr. Rajesh Lavania
- Er. Prashant Maharishi
- Dr. Ganesh Chandra
- Dr. Pragya Kabra
- Er. Ashish Sharma
- Er. Vinita Raj
- Dr. Shalini Sharma
- Mr. Pushpendra Singh
- Dr. Ashok Kumar Singh
- Dr. Pramod Kumar
- Er. Saurabh Garg
- Er. Subodh Sharma
- Er. Shikhi Agrawal
- Dr. Mayank Pratap Singh
- Dr. Rishabh Upadhyay
- Er. Varsha Singh
- Dr. Rekha Sharma
- Dr. Sunil Kumar
- Dr. Sangeeta
- Dr. Himani Agarwal

- Ms. Palak Arya
- Er. Vipin Kumar
- Er. Saurabh Pachauri
- Er. Harvir Singh
- Er. Shobhit Mohan Sharma
- Er. Pratap Singh Birla
- Er. Devansh Yadav
- Er. Ajeet Singh Yadav
- Er. Nagendra Singh
- Er. Manish Dixit
- Er. Chandan Kumar
- Er. Anil Singh
- Er. Diksha Jain

Research Paper : 03
Published Research Paper : 05
FSP/Workshops/Induction Program/Webinar/Seminar : 09
Book Chapter : 03





सेठ पदम चन्द जैन प्रबंध संस्थान

Founded in 1993, Seth Padam Chand Jain Institute was established with the vision of Transforming students into skilled professionals driven by knowledge. Over the years, the Institute has played a significant role in fulfilling the increasing demand for management education in the region and has earned recognition for its academic excellence.

The Institute provides a well-developed infrastructure, including smart classrooms and a resourceful library, to promote an effective academic environment. In addition to academics, the faculty offers career guidance along with academic and psychological counseling to ensure the holistic development of students. Special initiatives are undertaken to identify slow learners and provide them with extra academic support. Furthermore, through industry-academia collaborations and partnerships with leading business organizations in Agra, students are given valuable practical exposure to real-world business operations and practices.






विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- The Institute is offering MBA (Full Time), MBA (Part Time), PGDBM and BBA course

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :

- Prof. Brijesh Rawat, D.Lit, Ph.D., M.Com
- Dr. Ruchira Prasad, Ph.D., MBA
- Dr. Shweta Chaudhary, Ph.D., MBA, NET
- Dr. Jagrati Asija, Ph.D., MBA, NET
- Dr. Y.K. Sharma, M.Sc., M.Phil, Ph.D.
- Dr. Swati Mathur, Ph.D., MBA, MCM
- Dr. Seema Singh, Ph.D., MBA
- Ms. Shweta Gupta, MBA, NET

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- **Paper Published-08**
- **Book Publication- 01**
- **Paper Presentations in Conference and Seminars-05**
- **FDP/Workshop/Short Term Training Program-14**








पर्यटन एवं होटल प्रबंधन संस्थान

This Institute came in existence in the year 2003 after the amalgamation of tourism & hotel management courses from the Dau Dayal Institute of Vocational Education & Seth Padam Chand Jain Institute of Management of this University. Though the first course of tourism and hotel Management was PG Diploma in Hotel & Tourism Management started under the banner of Department of History & Culture in the academic session 1985-86.

The basic aim to establish this institute was to develop entrepreneurs in the field of Tourism and Hospitality Industry not only for the city of Taj but also for the rest of the country as well as for the Globe. There is no doubt that the Institute has been succeeded in its aim as the student of this Institute has been serving in various fields of tourism and hotel industries throughout the country and abroad.

This Institute has two approved departments, namely; Department of Travel & Tourism Management and Department of Hotel Management under the supervision of two

permanent faculties called Prof. U. N. Shukla & Prof. Lavkush Mishra along with Mr. Amit Kumar Sahu, Ms. Vibha Mathur, Dr. Y. Aparna, Ms. Sakshi, Dr. Anjali Kumari and Mr. Ranjeet Singh.



At present we are running following Courses:

- Ph.D. in Hotel & Tourism Management
- MBA in Travel & Tourism Management
- Post Graduate Diploma in Hotel & Tourism Management • Bachelor in Hotel Management & Catering Technology • BA (Vocational) in Travel & Tourism Management • Diploma in Food Production

FACULTIES :

- Prof. U N Shukla, Professor & Director
- Prof. Lavkush Mishra, Professor & HOD
- Mr. Amit Kumar Sahu
- Ms. Vibha Mathur
- Dr. Yanamandra Aparna
- Dr. Anjali Kumari
- Ms. Sakshi Tiwari
- Mr. Ranjeet Singh

- **Research Paper Publications : 03**
- **Paper Presentations : 04**
- **FDP/Workshop/Short Term Training Program : 10**

Academic Activities :

- Conducted the Alumni meet-2025 on 02nd August, 2025.
- Organized the Fresher Celebration 2025, on 28th August, 2025.
- Celebrated the Teacher's Day on 05th September, 2025.
- Tablets Distribution on 17th September, 2025.
- Conducted the Educational Tour on the occasion of World Tourism Day on 27th September, 2025.



- Organised the Film Making Workshop on 10th October, 2025.
- Celebrated the Festival of Diwali on 17th October, 2025.
- Organised the Workshop on -How to Use Waste Management Recycle on 28th October, 2025.



- Conducted Five days workshop on Film Making from 28th October, 2025 to 1st October, 2025.
- Organized 7th Global Taj International Film Festival- 2025 from 13th November, 2025 - 15th November, 2025.

- Organized International Conference by ITHM and Howard University, USA on 'Geo Politics, Travel and Economic Growth' from 19th November, 2025 - 20th November, 2025.
- Conducted one day workshop on 'Data Science, Data Analysis and Digital Marketing in Tourism and Hospitality Management' on 15th December, 2025.
- Conducted Essay and Debate competition on Women Empowerment under Mission Shakti Phase 5.0 organized on 15th December, 2025.
- Organised one day workshop on Women Empowerment under Mission Shakti 5.0 on the topic of 'Empowered Women, Empowered World' on 16th December, 2025.
- Celebrated National Tourism Day & conducted the one day Seminar and Quiz Contest on 25th January 2026.

ललित कला संस्थान

"A sincere artist is not one who makes a faithful attempt to put on to canvas what is in front of him, but one who tries to create something which is, in itself, a living thing." Art and culture are the unspoken languages which are understood and enjoyed all over the world. The Lalit Kala Sansthan of visual and performing arts a self-financing institute of Dr. Bhimrao Ambedkar University, is one such institution where this universal language is preached. Established in November, 2000 this institute is a Centre of diverse arts and a mirror image of the world around us. The teachers here not only aim at teaching the students to express their thoughts but also guide their thoughts towards the right direction. Students are encouraged to expose their creativity with independence as each student has a distinct way of expression and depiction.





विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.F.A. : Painting, Applied Art , Sculpture, Indian Music
- M.F.A. : Painting, Applied Art, Sculpture, Indian Music
- Diploma : Painting, Applied Art, Sculpture, Indian Music
- B.A. : Drawing & Painting, Vocal Music, Fine Art

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम :



- Dr. Shardool Mishra, Ph.D., M.F.A., B.F.A.
- Dr. Mamta Bansal, Ph.D., M.A., B.A., B.Ed.
- Dr. Manoj Kumar, Ph.D., M.A., B.A.
- Dr. Sheetal Sharma, Ph.D., M.A., B.A.
- Dr. Arvind Rajput, Ph.D., M.F.A., B.F.A.
- Mr. Devendra Kumar Singh, NET, M.F.A., B.F.A.
- Mr. Deepak Kulshrestha, M.Phil., M.V.A.
- Dr. Ganesh Kushwah, Ph.D., NET, M.F.A., B.F.A.
- Mr. Devashish Ganguly, NET, M.A., B.COM.
- Mrs. Parul Jurel, NET, M.F.A., B.F.A.
- Mahima Singh, M.F.A., B.F.A.
- Dr. Kalyani Gupta, Ph.D, NET, B.F.A, M.F.A, M.Phil
- Dr. Vaishali Sharma, Ph.D, B.A., M.A
- Mrs. Vandana Sharma, NET, B.F.A., M.F.A, M.Phil

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :



- **Workshops :31**
- **Seminars :10**
- **FDP :07**
- **Books :01**
- **Publications :05**

पं. दीनदयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान

The Pt. Deen Dayal Upadhyay Institute for Rural Development is an integral part of Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra, established under the self-finance scheme in 1999 with the aim of promoting teaching and research in rural development and related disciplines. Since its inception, the institute has consistently strived for quality education and research, following the NEP-2020 semester system that incorporates regular seminars, assignments, periodical tests, field work, and research work as core components of its curriculum. The thrust areas of the institute encompass studies related to Pt. Deen Dayal Upadhyay, Rural Development, Disaster Management, and Corporate and Social Responsibility.



Courses Details

- Master of Human Resources Management (MHRM)
- M.A. (Disaster Management)
- M.A. (Public Administration)
- M.A. (Education)
- M.A. (Rural Development & Management)
- PG Diploma in Corporate Social Responsibility (PGDCSR)
- M.A. (Political Science)
- M.A. (Economics)
- B.A. (Humanities)



Faculty :

- Dr. Manoj Kumar Singh, Director
- Dr. Aayush Mangal
- Dr. Neeraj Kushwah
- Dr. Tapasya Chauhan
- Dr. Radhika Goyal
- Ms. Madhuri Kaushik
- Dr. Abha Singh
- Dr. Ratna Pandey
- Dr. Bharat Singh
- Dr. Rekha Mathur
- Ms. Eti Goswami

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Research Paper : 25
- Chapter in Book : 03
- FDP/Conference/Seminar/Workshop : 70
- Book Published : 03
- Awards & Recognitions : 05



शारीरिक शिक्षा संस्थान



शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विभाग की स्थापना वर्ष 1969 में हुई थी। यह विभाग विभिन्न खेल गतिविधियों में शारीरिक शिक्षा के लिए समर्पित अनुभवी शिक्षकों के माध्यम से उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा के छात्र–छात्राएँ जिला, राज्य, राष्ट्रीय, अंतर–विश्वविद्यालय और खेलो इंडिया स्तर की प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं. इसके अतिरिक्त, अनेक शैक्षिक संस्थानों और प्रशिक्षण केन्द्रों पर सफलतापूर्वक शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जा रहे हैं। विभाग में संचालित विभिन्न योग पाठ्यक्रम आत्म–अनुशासन और जीवन में योग के महत्व को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित होता है।

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

• एम.पी.ई.एस. (Master of Physical Education and Sports) : 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम • एम.ए. योगा (Master of Arts in Yoga) : 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम • बी.पी.एड. (Bachelor of Physical Education) : 4 सेमेस्टर पाठ्यक्रम • बी.पी.ई.एस. (Bachelor of Physical Education and Sports) : 6 सेमेस्टर पाठ्यक्रम • पी.जी. डिप्लोमा इन योगा (Post Graduate Diploma in Yoga) : 2 सेमेस्टर पाठ्यक्रम

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- डॉ. अखिलेश चंद्र सक्सैना, विभागाध्यक्ष, एम.ए.,एम.पी.एड., पी.एच.डी.
- डॉ. सतेन्द्र सिंह, पी.एच.डी., नेट
- श्री. रवि शंकर वर्मा, एम.पी.एड., नेट
- डॉ. सिंधुजा चौहान, एम.पी.एड., पी.एच.डी.
- डॉ. महेश सिंह, एम.पी.एड., एम.फिल., पी.एच.डी.
- डॉ. नरेंद्र पाल सिंह, एम.पी.एड., नेट, पी.एच.डी.
- श्री. श्याम सुंदर, नेट
- डॉ. सुनीता सिंह, पी.एच.डी.



विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Research Paper : 07
- Conference/Seminar/Workshop : 05



कृषि विज्ञान विभाग

The Department of Agriculture Sciences, established in the academic session 2024-25 at the Netaji Subhas Chandra Bose Campus of Dr. Bhimrao Ambedkar University, marks a significant step towards strengthening agricultural education and rural development in the region. With a vision to nurture future agricultural professionals, the department offers the B.Sc. (Hons.). Agriculture programme designed to blend scientific knowledge with practical field experience. The department is enriched with modern classrooms, well-equipped laboratories, and a student-friendly academic environment that encourages innovation, research, and skill development in agriculture.





The department is proudly managed by a committed team of 7 Assistant Professors and supported efficiently by 2 Laboratory Technicians, 1 Clerk, and 2 Peons, ensuring smooth academic and administrative functioning. Emphasising experiential learning, field visits, hands-on practical training, seminars, workshops, and farmer-oriented extension activities, the department aims to prepare students for higher education, entrepreneurship, and diverse career opportunities in the agricultural sector. With a strong commitment to sustainable agriculture, scientific excellence, and holistic student development, the Department of Agriculture Sciences aspires to emerge as a leading centre of agricultural education and innovation in Uttar Pradesh.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- B.Sc. (Agriculture) 4 Years.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Dr. S. K. Singh, M.Sc. & Ph.D.
- Dr. Saurabh Kumar, M.Sc., NET & Ph.D.
- Dr. Manish Sharma, M.Sc., NET & Ph.D.
- Dr. Abhilash Singh, M.Sc. & Ph.D.
- Dr. Narendra Pratap Verma, M.Sc. & Ph.D.
- Dr. Kartik Tomar, M.Sc. & Ph.D.
- Dr. Yogesh Kumar, M.Sc. & Ph.D.



विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Research Paper : 24
- Conference/Workshop : 08
- Patent : 03
- Book & Book Chapters : 14

विधि विभाग

The Department of Law, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra is dedicated to provide comprehensive legal education. It has also been recognised as a distinguished and praiseworthy centre of learning, under the headship of Dr. Rajeev Verma (Coordinator/HOD). The Department of Law, Centre for Post Graduate Legal Studies offers a diverse range of programs such as LL.M. and LL.M.(H.R.).



The LL.M. program is designed to inculcate research skills and analytical abilities in students. Our aim is to equip students to participate in ensuring good governance within democratic traditions and to excel in their chosen fields. In the near future, the department aims to function from an independent building at the Sultanganj ki Puliya campus.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- LL.M., LL.M.(H.R.)



विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Dr. Abhinav Sharma
- Dr. Ranvijay Singh
- Aashi Dixit

विगत वर्ष में विभाग द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Research Paper : 12
- Conference/Workshop : 08
- Patent : 01
- Book & Book Chapters : 02

जीवन विज्ञान संस्थान (स्कूल ऑफ लाइफ साइंस)

Department of Zoology

The Zoology Department was established in 1981. The program began at Agra College with Prof. D.P.S. Bhati as Head. In 1982, it moved to Agra University's Social Science building (Paliwal Park campus). In 1999, it relocated to the Institute of Basic Sciences (Khandari campus), securing a permanent home in the School of Life Sciences. The department now has smart classrooms, a library, a museum, a



विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- Ph.D. Zoology
- M.Sc. Zoology
- B.Sc.

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. R.K. Agnihotri, Head & Dean
- Ms. Divya Pal, MSc.
- Dr. Kriti Sharma, Ph.D.
- Dr. Ankita Tripathi, Ph.D.
- Dr. Ajit Chahar, Ph.D.



- **Research Publications : 02**
- **Seminars/Workshops : 05**
- **Extra-Curricular Activities/Awards : 04**

Details of Any Other Achievements / Information

- Our students do very well in academics, and some of them have received a Gold Medal for their performance.
- Ms. Prachi Bhadoria, an MSc Zoology student (Batch 2023-2025), has cleared the June 2025 CSIR NET JRF (Rank 134) and UGC NET.
- Many students have cleared the Uttar Pradesh Higher Education Service Commission (UPHESC) exam, and Uttar Pradesh Public Service Commission-Government Degree College (UPPSC-GDC) exam have been placed in various government colleges.



Department of Botany

The Department of Botany, established in 1990, began with M.Phil. Courses and introduced M.Sc. classes in 1997.



It features a botanical garden, a well-stocked library with 50 journals, and actively organizes national seminars. Faculty and students participate in international events, earning nine medals, including the Birbal Sahni Medal, and various fellowships.

Courses:

- B.Sc.
- M. Sc. Botany
- Ph. D. Botany

Faculty :

- Prof. Rajneesh Kumar Agnihotri, Professor, Ph.D, FIBS
- Dr. Purti Chaturvedi, Ph.D
- Dr. Anamika Upadhyay, Ph.D
- Ms. Havza Imtiaz, M.Phil, NET

महत्वपूर्ण संगोष्ठी / कार्यशालाएँ :

- Seminars : 07
- Ph.D. Awarded : 02
- Book : 04
- Paper Publication : 02



Details of Any Other Achievements / Information

- One student qualified UGC-NET exam held in December 2025.
- Two students qualified GATE held in 2026.

Department of Biotechnology



Department of Biotechnology was established in the year 1997 offers Postgraduate and Doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Biotechnology.

Course :

- B.Sc. • M.Sc. Biotechnology • Ph.D.

Faculty :

- Dr. Monika Asthana , Ph.D.
- Dr. Pramod Kumar, Ph.D. NET JRF, ICMR JRF, ICAR JRF, GATE
- Dr. Shivani Yadav, Ph.D., M.Phil. GATE, RET
- **Workshop/Invited Talk : 07**
- **Lecture/Conferences/FDP/Research Paper : 09**
- **Patent : 04**



Department of Biochemistry

The Department of Biochemistry was established in 1997. It is approved by Higher Education, Government of Uttar Pradesh. The "Department of Biochemistry" envisions an ambience of excellence, inspiring value-based education, research and development.

To develop the facilities for the knowledge enhancement for the students, so they can serve better for the society and nation. To nurture and sustain academic excellence, programmed

to promote innovation, scholarship and abilities to analyze, experiment and synthesize. To create effective interface with research institutes of regional/national repute and industry through training programme. To equip the students with adequate employability skills and knowledge, inter personal skills and global outlook to gain meaningful employment on completion of their studies.

M.Sc programme is designed to trained and expose the students for the cutting edge developments in the area of Biochemistry/Biomedical Engineering/ Biotechnology/ Pharmacological Science/ Forensic Science/ Nutrition / Microbiology /Bioinformatics/ Nanotechnology /Nutraceuticals because these are the part of Biochemistry syllabus and their applications in industry, agriculture and medicine.

Courses Offered : • B. Sc. • M.Sc.

Faculty Details :

- Dr. Udita Tiwari, Ph.D.(Biochemistry)
- Dr. Neelu Sinha, Ph.D. (Biochemistry)
- Mr. Yogendra Pratap Singh, M.Sc, CSIR NET, GATE
- Research Paper/Seminar/Workshop/Chapter in Book/ Patent : 17





Department of Microbiology

Department of Microbiology was established in the year 1998 offers postgraduate and doctoral degrees with an objective to generate competent man power in the diverse field of Microbiology.



विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- M.Sc. Microbiology
- B.Sc. Faculty of Life Science (Microbiology as a subject)
- Ph.D. Microbiology

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Dr. Surabhi Mahajan, Ph.D.
- Dr. Ankur Gupta, Ph.D.
- Dr. Jaagriti Tyagi, Ph.D.
- Dr. Nandini Sharma, Ph.D.

List of Achievements by the Faculty members in Last one year :

- Research Paper/Seminar/Workshop/Chapter in Book/ Patent : 07

Any other Information :

1. Department of Microbiology has organized an invited lecture on Exploring online resources in bioinformatics by Dr. Shubhandra Tripathi, University of New Hampshire USA on 30 August, 2025.
2. Department of Microbiology in association with Department of Biotechnology celebrated National Science Day 28 Feb 2026. Students of department participated by presenting posters and prepared models highlighting pivotal role of microbiology in advance research related to energy demand and pharmaceutics.
3. Department of Microbiology celebrated International Microbiology Day 17 September 2025. Students of department delivered lectures and presented posters on role and importance of microbiology.
4. Students and faculty members of the Department of Microbiology visited a biogas plant at Nojheel to understand the large-scale functioning of biogas reactors and their importance in waste management and sustainable energy production.
5. The Department of Microbiology collaborated with Green Gas Pvt. Ltd. and signed a Memorandum of Understanding (MoU) to conduct research on enhancing gas output in biogas plants. A prototype based on this research project is currently under construction.
6. Mr. Deepak tyagi of M.Sc. Microbiology cleared CSIR UGC NET JRF Examination (Roll no DL01003276).
7. Mr. Kavendra Singh Baghel of M.Sc. Microbiology cleared CSIR UGC NET LS Examination (Roll no RJ07000328).
8. Ms. Reshu Gaur of M.Sc. Microbiology cleared CSIR UGC NET Ph.D only Examination (Roll no UP02008420).
9. Ms. Unjila Khan of M.Sc. Microbiology cleared CSIR UGC NET Ph.D only Examination (Roll no UP01020069).
10. Students of 25 students of M.Sc. Microbiology were participated and presented their 4 innovations in Shark Tank (An Innovation Platform) Technorazz-2025 Entrepreneurship Development Innovation, Incubation Cell, Jaipur National University, Jaipur in Collaboration with University of Rajasthan Jaipur and Science Setu, DBT, Govt. of India-) on 30th of September 2025.
11. Students and alumni of Microbiology founded an NGO named Sankriti Youth Foundation in 2022. The organization is now working across different cities in India. In January 2026, the work of the NGO was appreciated by Hon'ble Rekha Gupta, the Chief Minister of Delhi.
12. The Students of Department of Microbiology serves as a platform for production and hands on training on "Mushroom Cultivation".





13. The students of the department were also participated in UNIFEST, 2025, World Environment Day, Swakcha Bharat Abhiyan etc.
14. Students of the Department of Microbiology attended a seven-day hands-on training programme on advanced recombinant protein bioprocessing at Uttar Pradesh Pandit Deen Dayal Upadhyay Pashu Chikitsa Vigyan Vishwavidyalaya Evam Go-Anusandhan Sansthan. The programme was sponsored under the SCSP component of the Livestock Health and Disease Control Programme by the Department of Animal Husbandry and Dairying.
15. Students of the Department of Microbiology attended the NP-GETILHP sponsored training programme on "Integrating Cell Culture, Molecular Tools, and Genome Editing for Translational Research" at ICAR-Central Institute for Research on Goats.

Department of Environmental Studies

In view of growing concern for environment and in the light of Honourable Supreme Court's directive in this regard, and on the advice and guidelines, for the purpose, provided by the UGC, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra started the Department of Environmental Studies in 1998 and UGC has given the financial support to the Department. The department was established to endeavour for excellence, to attain sustainable development, to instruct guidance for capacity building, to deal with various environmental challenges in an eco-friendly manner. The faculty members of department have exposure to reputed national and international organisations of different specialization and are engaged in extensive research in the different areas of environmental sciences and research work is published in highly reputed national and international journals. The department effectively guides the students throughout the study period and also provides summer training offering hands-on industry exposure to enhance their professional readiness. Alumni of the department have been serving in various sectors of environmental services such as government, PSUs and private sector. Department offers professional and job-oriented course curricula, to support research activities and to offer consultancy and extension activities. The department is providing platform in various dimensions to the students to participate in various cultural, co- curricular activities organized by the department and different cells of the University.



Courses Offered :

- Ph.D. Environmental Science
- Post-Graduate Degree (M.Sc.) in Environmental Science Two years (4 Semester) .
- B.Sc. Environmental Science as major subject. (NEP)



Faculty in the Department :



- Prof. Bhupendra Swarup Sharma , M.Sc., Ph.D.
- Dr. Nibha Jadon, M.Sc., Ph.D.
- Mrs Astha Tomar , Faculty, M.Sc. , UGC- NET
- **Research Paper Published : 06**
- **Book Published : 01**
- **Seminar/Workshop : 05**

Any other Information :

1. The department was recognized as a Centre of Excellence in 2011.
2. Two students of the department have been felicitated with the Gold Medal by the Honourable Chancellor and Governor of Uttar Pradesh for securing First Position and achieving the Highest Marks in the University in the years 2024 and 2025 respectively.
3. The department has an outstanding placement record of 90%, reflecting the quality of education imparted.
4. 20 students have qualified the UGC-NET Examination

कम्प्यूटर विज्ञान विभाग



The Department of Computer Science at our university is a vibrant hub of innovation and learning, serving as a strong foundation for cutting-edge research and education in the field of computing. Established in 1994, the department is recognized as one of the most valuable and dynamic departments of the university, with a dedicated team of experienced as well as young faculty members specializing in diverse domains such as Artificial Intelligence, Machine Learning, Cyber Security, and Software Engineering. Beyond academics, faculty members actively contribute to the overall development and administration of the university by undertaking key responsibilities including Chief Proctor duties, admissions, examinations, ranking activities, CCTV monitoring, and placement cell coordination, thereby playing a crucial role in institutional progress.



The Department of Computer Science offers a wide range of postgraduate programs, including M.Sc. in Computer Science, MCA, PGDCA, and a Ph.D. program in Computer Science, designed to meet the evolving needs of students and industry. Currently, the department has 18 research scholars actively engaged in advanced research. The department consistently produces a minimum of 20 research papers annually, along with contributions in patents and funded research projects. Faculty members are also actively involved in invited talks, paper presentations, and academic collaborations at national and international levels.



Our state-of-the-art facilities provide students with access to the latest technologies and tools, creating a dynamic learning environment where theoretical knowledge is effectively integrated with practical exposure. The department is actively engaged in interdisciplinary research collaborations and maintains strong partnerships with industry leaders.

The Department has received several government grants from TEQIP-III, UGC, and the UP State Government under Dr. Bhimrao Ambedkar University through the PM-USHA scheme, ensuring robust financial support for research and infrastructure development. Faculty members are also involved in patent publications and consultancy projects, further strengthening the department's academic and research profile.



The Department of Computer Science is not just a place of learning-it is a thriving community of scholars, researchers, and innovators committed to advancing the frontiers of technology and contributing significantly to the growth and reputation of the university.

विभाग में चलने वाले पाठ्यक्रमों के नाम :

- M. Sc. (CS) • MCA • PGDCA • Doctor of Philosophy

विभाग में कार्यरत शिक्षकों के नाम, योग्यता का विवरण :

- Prof. V. K. Saraswat, Ph.D (on Leave)
- Dr. Sandeep Kumar Jain, Ph.D
- Dr. Amit Singhal, Ph.D
- Mr. Hareram Kumar, MCA, NET
- Ms. Shweta Lawaniya, MSc CS, NET
- Prof. Manu Pratap Singh, Ph.D
- Mr. Raj Kumar, MCA
- Ms. Pratibha Rashmi, MCA, NET
- Dr. Sadhna Golash, Ph.D
- Ms. Manisha Yadav, MSc CS, NET

Academic Activities :

- Research Paper/Seminar/Workshop/Chapter in Book/Research Project/Patent : 42

इतिहास एवं संस्कृति विभाग

The Department of History & Culture was established in 1985 with the objective of promoting higher studies and research in the field of history and cultural heritage. Initially, the department offered M.A. and M.Phil. Courses at the Vice-Chancellor's Residence, Paliwal Campus. Over the years, the department expanded both academically and institutionally. In 2000, new academic programs such as Archival Studies, a Postgraduate Diploma in Hotel Management, and courses under the Gandhian Study Centre were introduced, reflecting the department's commitment to interdisciplinary learning and professional development.



The department was founded under the leadership of Professor Pratima Asthana, who served as its first Head. Subsequently, the department was guided by distinguished academicians including Professor A.K. Singh, Professor Sugam Anand, and Professor Anil Verma. At present, the department is headed by Professor B.D. Shukla, under whose guidance the department continues to progress in teaching, research, and heritage preservation.

The study of history enables us to understand the development of human societies over time. By analyzing past events, civilizations, and conflicts, history helps us evaluate the consequences of social, political, and economic changes. It also provides valuable insights for the formulation of laws, policies, and social theories. In essence, history is the study of continuity, transformation, and change in human civilization.

Under the visionary guidance of Professor B.D. Shukla, the Department of History & Culture has established a Departmental Museum as a landmark initiative. The museum aims to preserve, document, and exhibit important academic, cultural, and historical materials related to the discipline. It serves as an educational and research resource centre for students, scholars, and visitors, encouraging experiential learning, heritage awareness, and interdisciplinary engagement.

Courses : • M.A. • Ph.D. • Post-Graduation Diploma in Archival Studies and Museology • Certificate Course on Bhagvad Gita

Faculty :

- Prof. B.D. Shukla, NET, Ph.D.
- Prof. Hema Pathak, M. Phil , Ph.D., LLB
- Dr. Amit Kumar Sharma, NET, Ph.D.
- Dr. Hemant Kumar, NET, Ph.D.
- Dr. Gopal Vashishtha, NET, Ph.D.



Academic Activities :

- Workshop : 01
- SEMINAR : 04
- MoU : 02
- Research Paper : 08

Achievement : Under the guidance of Professor B.D. Shukla, the Department of History and Culture has established a departmental museum as a significant initiative for preserving, documenting, and exhibiting valuable academic, cultural, and historical materials. The department is also actively working toward the expansion and development of the museum to enrich its collections, improve infrastructure, and create broader opportunities for research, learning, and public engagement. The museum serves as an important centre for students, researchers, and visitors, encouraging experiential learning and interdisciplinary interaction.





पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग





The department of Library Science & Manuscriptology was established in 1984 with the Degree Bachelor of Library Science & Manuscriptology under the leadership of Pt. Vidyanivas Mishra. In the year 1996, Master of Library & Information Science Course was introduced. Due to popularity of computer and information technology in the field of Library & Information Science name of the department was changed from Library Science & Manuscriptology to Library and Information Science. Ph.D. Program has also been launched in 1998. As per the direction of NEP-2020, UG Course; B.A. was introduced in the session 2022-23. The Senior Professionals like Prof Mohd Sabir Hussain, Prof SM. Tripathi, Prof. M.TM Khan, Prof Pandey Sharma SK, Dr. C.K. Sharma and Dr. B.K. Sharma have been associated with the department. At present the department is under the leadership of Prof. Md. Arshad.

Courses : • B.Lib. I.Science • M.Lib. I.Science

Faculties : • Prof. Md. Arshad, Head of the Department

- Mrs. Shivi Dwivedi • Mr. Akhil Sharma
- **Research Paper Published : 05**
- **Award & Recognition : 01**
- **Workshops/Seminars/Conferences : 03**

Other Activity :

- **Braj Manthan :** National Seminar was organised on the topic "The Role of Libraries in Conservation of Braj Literature" organised by the MeroBrajJnanaParishad in association with GLA University, Mathura and Department of Library and Information Science, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra held on July 20, 2024 at GLA University, Mathura, Uttar Pradesh.

विश्वविद्यालय कम्प्यूटर केन्द्र

The University Computer Centre (UCC) was established at Khandari Campus in 1993 by the UGC grant of Rs. 30 lacs.



The University Computer Centre is well equipped with latest devices like printers, scanners and 30 computers of latest configuration and Internet.

Presently, University Computer Centre is also assisting in automation work of University. UCC is providing facilities for research scholars of all department/Institutions and the computing facilities are available from 10am to 6pm. In 2017, Lab has been upgraded with the computer machine with the latest configuration. In 2024 new lab has been upgraded with the computer machine with the latest configuration.

Course :

- Bachelor of Computer Application (B.C.A.)
- Post Graduate Diploma in Information Technology(PGDIT)
- Post Graduate Diploma in Web Development (PGDWD)

Faculties :

• Prof. Anil Kumar Gupta • Dr. Meenakshi Choudhary • Dr. Shyamli Gupta
• Er. Sumit Pathak • Er. Sonal Pandey • Er. Sadhana Singh • Er. Neetu Kabra
• Er. Anupama Paras • Er. Prerna Mehta • Er. Prashant Kumar

- **Published Research Paper/Patent/Book : 01**
- **MOU : 03**
- **Workshops/Seminars : 11**







राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना है। राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) को भारत वर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में संचालित किया जाता है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य इन शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत युवाओं का स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से व्यक्तित्व व चरित्र निर्माण करना है। वर्तमान में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के अंतर्गत कुल 75 महाविद्यालयों में 114 इकाइयां संचालित हैं। सत्र 2025–26 में (जून से मई 2026 तक) विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशाला जन–जागरूकता व जन–सहयोग गतिविधियों जैसे वृक्षारोपण, रक्तदान, मतदाता जागरूकता, फिट इंडिया अभियान, सड़क सुरक्षा अभियान, डिजिटल इंडिया, साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान, हर घर तिरंगा अभियान, माय भारत कार्यक्रम (पुलिस अनुभवात्मक शिक्षण, युवा कनेक्ट और युवा संसद) आदि आयोजित की गई, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी व स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हुए कार्यक्रमों में भी विश्वविद्यालय की सहभागिता सराहनीय रही है।

राष्ट्रीय सेवा योजना युवा कार्यक्रम विभाग भारत सरकार द्वारा प्रत्येक वर्ष युवा स्वयंसेवकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, राष्ट्रीय गौरव व समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र को एकीकृत करने के उद्देश्य से "राष्ट्रीय एकीकरण शिविरों" का आयोजन किया जाता है, जिसमें विभिन्न राज्यों के स्वयंसेवकों को सांस्कृतिक प्रतिभाओं के आधार पर प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होता है।

अक्टूबर, 2025 में राष्ट्रीय साहसिक शिविर, मनाली, हिमाचल प्रदेश में 10 स्वयंसेवकों और 1 कार्यक्रम अधिकारी ने विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, जबलपुर मध्य प्रदेश में 9 स्वयंसेवकों एवं 1 रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी ने प्रतिभाग कर विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। जनवरी, 2026 में राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, जयपुर में 8 स्वयंसेवक और 1 कार्यक्रम अधिकारी तत्पश्चात फरवरी, 2026 में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, हरिद्वार में 4 स्वयंसेवक ने प्रतिभाग किया। इसी क्रम में मार्च, 2026 में आयोजित होने वाले विश्व युवा संसद महोत्सव, बैंगलोर में 1 रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी सहित 6 स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। भारतीय संप्रभुता विश्व मंच पर स्थापित करने



वाले गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पूर्व गणतंत्र दिवस शिविर, पटना में (4 नवम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक) 1 कार्यक्रम अधिकारी और 9 स्वयंसेवक ने प्रतिभाग किया, जिसमें से दिल्ली में आयोजित होने वाले 30 दिवसीय, गणतंत्र दिवस परेड शिविर हेतु (01 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक) श्री उत्कर्ष कुमार और करण यादव का चयन हुआ। श्री उत्कर्ष कुमार, और करण यादव ने गणतंत्र दिवस परेड शिविर में प्रतिभाग करते हुए 77 वें गणतंत्र दिवस (26 जनवरी 2026) के अवसर पर कर्तव्य पथ पर परेड करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ की ओर से विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। उत्कर्ष कुमार ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।





5 जून से 31 अगस्त 2026 तक भारत सरकार द्वारा संचालित "एक पेड़ मां के नाम अभियान" कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के सम्बद्ध समस्त महाविद्यालय इकाइयों द्वारा वृहद स्तर पर जिओ टैगिंग फोटो के साथ वृक्षारोपण का आयोजन किया जा रहा है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग सप्ताह "विषयः— एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग" के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।



पूरे देश से आगरा की विरासत को साझा करने के लिए 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कर्तव्य पथ पर परेड करने वाले स्वयंसेवक दल को भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा आगरा भ्रमण कराया गया। दल का स्वागत विश्वविद्यालय की ओर से कार्यक्रम समन्वयक एवं स्वयंसेवकों द्वारा किया गया, साथ ही ताजमहल, लाल किला जैसे ऐतिहासिक धरोहरों का भ्रमण कराया गया द्य



डिजिटलीकरण को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को भारत सरकार के निर्देशानुसार MyBHARAT पोर्टल से जोड़ा गया है। इसी क्रम में वर्तमान सत्र से विश्वविद्यालय रा०से०यो० प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना में 240 घंटे सेवा कार्य व इकाई स्तरीय सात दिवसीय विशेष शिविर पूर्ण करने वाले स्वयंसेवकों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

In Bharat,NCC was started in 1948 through an Act of Parliament and in the same year at Dr. B.R. Ambedkar University,Agra, too. The NCC Officers and Cadets of University have consistently excelled in their performances, setting new benchmarks for success and garnering prestigious accolades at the International, National and State levels.The

achievements list of session 2024-2025 is very long, we are mentioning some of them here:



- Capt.Reeta Nigam and Cdts presented Guard of Honour to Hon'ble Governor Madam at 90th Convocation ceremony.
- National Achievers/Stars NCC Cadets presented General Salute to NAAC team and shared their achievements and experiences of glorious journey of NCC as a cadet with the NAAC team.The members were very much impressed with cadets, congratulated and blessed them for their future endeavours.
- Lt. Shivam Maheshwari, Lt.Shubham Yadav and Lt. Dev Chahar joined Indian Army as officers.
- SUO Tanya Bhadauriya,SUO Chanchal Mahura,SUO Somi,Sgt.Pramod Kateniya, Sgt.Naman Kushwaha and Cdt.Prateek Rathore represented UP Dte.at "Samar Se Samridhi Ki Ore"Cyclothon event , an incredible 2025 km Cycle Journey, spanning 18 days Flagged off from Meerut and Flagged in at Delhi by Hon'ble Prime Minister of Bharat and got felicitation, too.
- Capt. Reeta Nigam awarded with "DGNCC Plaque"for Best NCC Officer.
- LFC Taufeek represented UP Dte.as AIR Platoon Commander at Kartavya Path parade during Republic Day Camp-2025.
- Cdt. Shirsti Singh Rathore, LFC Neha Singh Solanki, LFC Ranjeet, LFC Anesh Pratap Singh, Cdt. Prateek Rathore represented UP Dte.at Republic Day Camp -2025, marched on Kartavya Path, being part of PM Rally ,Cultural events and awarded with ADG Commendation, Chief of Air Staff and Army Central Command Medals.



- SUO Reegul Sharma received DGNCC Excellent Medal as Best Cadet of UP Dte.
- Cdt. Shiva, Cdt. Sachin Jurel, Cdt. Suraj, Cdt. Akash Chaudhary and Cdt. Abhishek Gurjar were joined Armed Forces as Agniveers.
- Cdt. Radha and Cdt. Sanjana joined as Girls Cadet Instructor.
- Cdt. Madhu and Cdt. Suhani Rawat represented UP Dte at Basketball IGC.
- SUO Shruti Sharma, Sgt. Sapna Kumari, Sgt. Karuna Nimesh selected for Army Attachment camp.
- UO Prateek Khandelwal selected for Advance Mountaineering Course-2025.
- UO Babali,UO Kajal Kumari,UO Luvkush,UO Tamanna Parmar,Sgt.Yamini Chahar,Sgt.Manoj Jurel and Sgt.Arun completed Parasailing.

- SUO Tarushi Saraswat completed National River Rafting Camp.
- CPL Sejal Kumari and Sgt.Nikita Sharma attended Ek Bharat Shreshtha Bharat Camp at OTA Kamptee,Maharashtra.
- UO Alpna represented UP Dte at Super 30 SSB and OTA Chennai and got felicitation,too.



- UO Lakshika Sharma,UO Dhara and UO Anshika Tomar attended Advance Leadership Camp.
- CPL Kumkum Bhatt,CQMS Bhawna Kumari attended Thak Sainik Camp at Bareilly
- LFC Vivek Kumar,LFC Danishka Johari and LFC Neetika Kulshreshtha selected for All India Vayu Sainik Camp.
- Cdt.Aditya Sharma successfully completed Trekking Camp at Amarkanttak.
- CPL Simran Adwani and Sgt. Kashish selected for IGC- Noida.
- UO Gungun Kumari,Sgt.Ayushi Singh,CPL Karishma,Cdt.Rama,Sgt Shivani Yadav,Cdt Rakhi ,Cdt Kakul and Cdt.Suyogita Parmar attended MH Attachment Camp.
- NCC Officers and Cadets donated 62 units of Blood.



छात्र कल्याण विभाग

छात्र कल्याण विभाग विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के समग्र विकास, व्यक्तित्व निर्माण, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सांस्कृतिक चेतना तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के संवर्धन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यह विभाग विद्यार्थियों को न केवल शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित करता है, बल्कि उन्हें सह–पाठ्यक्रम, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं सामाजिक सेवा गतिविधियों के माध्यम से सर्वांगीण विकास के अवसर भी प्रदान करता है।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने कुलपति प्रो. आशु रानी के नेतृत्व और छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय के समर्पित प्रयासों से विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास हेतु उल्लेखनीय योजनाएँ संचालित कीं। कुलपति महोदय की दूरदर्शी सोच और अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय की सक्रियता ने विश्वविद्यालय में सहयोगी वातावरण निर्मित कर छात्रों के सर्वांगीण विकास और संस्थान की प्रगति को प्रभावी रूप से प्रमाणित किया।

छात्र कल्याण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण

- यूनिफेस्ट 2025–26 का प्रथम चरण उत्साहपूर्ण छात्र सहभागिता के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान कुल नौ साहित्यिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं, जिनमें 35 टीमों ने भाग लिया।
- 8 अगस्त को स्कूल ऑफ लाइफ साइंस में रंगोली और राखी प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसने छात्रों की सृजनात्मकता और सांस्कृतिक जागरूकता को प्रोत्साहित किया। 14–15 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत ध्वजारोहण, प्रेरणादायी रैली और तिरंगा थाली उत्सव हुआ, जहाँ प्रतिभागियों ने तिरंगे के रंगों में विविध व्यंजन प्रस्तुत कर देशभक्ति और सृजनात्मकता का अद्भुत संगम दिखाया।





सेवा पखवाड़ा गतिविधियाँ (17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025)

- सेवा पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत विश्वविद्यालय में पोषण वितरण, रक्तदान, स्वच्छता अभियान, साइकिल यात्रा, महिला स्वास्थ्य सम्मेलन, बापू बाजार, पुस्तक पठन और वृद्धाश्रम भ्रमण जैसी जनकल्याणकारी गतिविधियाँ आयोजित हुईं।
- शारीरिक फिटनेस और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा साइकिल यात्रा – फिटनेस एवं स्थिरता (19 सितंबर, 2025)
- 20 सितम्बर, 2025 को महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में 'मिशन शक्ति–5.0' का शुभारंभ किया, जिसका जे.पी. सभागार में सीधा प्रसारण हुआ
- 20 सितम्बर, 2025 को विश्वविद्यालय में आयोजित पोषण भाषण कार्यक्रम ने विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर जागरूक किया।
- 26 सितम्बर, 2025 हिंदी दिवस समारोह हिंदी भाषा की समृद्ध विरासत एवं सांस्कृतिक पहचान के सम्मान में हिंदी दिवस का आयोजन किया गया।
- 09 अक्टूबर, 2025 को जे.पी. सभागार में राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता आयोजित हुई।
- 9–10 जनवरी, 2026 को यूनिफेस्ट 2025–26 के द्वितीय चरण का आयोजन जे.पी. सभागार में संपन्न हुआ।
- 39वां एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) उत्तर क्षेत्रीय युवा महोत्सव का आयोजन 3 फरवरी से 9 फरवरी तक महर्षि मार्कंडेश्वर विश्वविद्यालय, अम्बाला में सफलतापूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय की ओर से कुल 60 छात्र–छात्राओं तथा 2 टीम मैनेजरों ने प्रतिभाग किया।
- 08 अप्रैल, 2026 को सेठ पदमचंद संस्थान, आगरा में नशा उन्मूलन सेमिनार आयोजित हुआ।
- 09 अप्रैल, 2026 को विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई और पर्यावरण अध्ययन विभाग द्वारा प्लास्टिक अवशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।
- 05 जून, 2026 को विश्व पर्यावरण दिवस पर दीक्षांत समारोह पार्क, खंदारी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं पर्यावरण जागरूकता रैली आयोजित हुई। इस अवसर पर खेल प्रतियोगिताएँ और पोस्टर प्रतियोगिता भी हुईं, जिनमें विद्यार्थियों ने "स्वच्छ पर्यावरण, सुरक्षित भविष्य" जैसे संदेशपूर्ण विचार प्रस्तुत किए और उत्कृष्ट प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।
- 1 जुलाई, 2026 को विश्वविद्यालय का 100वाँ स्थापना दिवस जे.पी. सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी के साथ मनाया गया।

सामुदायिक रेडियो

सामुदायिक रेडियो 90.4 'आगरा की आवाज' हमारे विश्वविद्यालय की एक केंद्रीयकृत सुविधा है, जिसे समुदाय की सेवा करने की प्रतिबद्धता के साथ अक्टूबर, 2010 में स्थापित किया गया था। यह 'लोगों के लिए–'लोगों द्वारा' के लोकाचार का प्रतीक है। 50–वाट ट्रांसमीटर के साथ 90.4 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति पर काम करते हुए, सीआर 90.4 प्रतिदिन छह घंटे प्रसारित होता है। इसका विषयगत फोकस गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, सरकारी योजनाओं, लैंगिक समानता आदि विकास के इर्द–गिर्द घूमता है।





पाठ्यक्रम : सर्टिफिकेट (रेडियो जॉकी और प्रोडक्शन)

विगत एक वर्ष के मुख्य कार्यक्रम और आउटरीच गतिविधियाँ :

- **20–21 दिसंबर 2025:** जे.पी. सभागार, खंदारी परिसर में द्वि–दिवसीय **'61वें निनाद महोत्सव'** का भव्य शुभारंभ हुआ। सामुदायिक रेडियो 90.4 'आगरा की आवाज' के संयुक्त तत्वावधान और पं. रघुनाथ तलेगांवकर फाउंडेशन ट्रस्ट, संगीत कला केन्द्र में आयोजित इस गौरवशाली कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति प्रो. आशु रानी एवं सरदार प्रीतम सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में महोत्सव की स्मारिका का विमोचन भी संपन्न हुआ, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत और कला की समृद्ध परंपरा को समर्पित रहा।
- **12 सितम्बर 2025:** डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो और यारा इंडिया के बीच हुए एमओयू के तहत फिरोजाबाद के राजवाली क्षेत्र में किसान आउटरीच गतिविधि का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्थानीय किसानों से सीधा संवाद कर उन्हें उन्नत कृषि तकनीकों और संतुलित उर्वरक प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 **'आगरा की आवाज'** और यारा फर्टिलाइजर्स की इस संयुक्त पहल के



माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती के गुर सिखाए गए, जिससे उनकी उत्पादकता और आय में वृद्धि हो सके।

- वरिष्ठ नागरिक कल्याण एवं नागरिक अधिकार: भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से 'अटल वयो अभ्युदय योजना' (AVYAY) के अंतर्गत बुजुर्गों के कल्याण और अधिकारों पर विशेष प्रोजेक्ट संचालित किया गया। साथ ही आम नागरिकों के लिए जन्म–मृत्यु पंजीकरण जैसे महत्वपूर्ण कानूनी विषयों पर भी रेडियो अभियान चलाये गए।
- NAAC 2024 मूल्यांकन के दौरान सामुदायिक रेडियो विभाग को विश्वविद्यालय की "Institutional Distinctiveness" एवं "Best Practice" के रूप में प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि विभाग की सामाजिक प्रभावशीलता, तकनीकी उत्कृष्टता, वित्तीय आत्मनिर्भरता, छात्र स्वयंसेवक नेटवर्क एवं जनसेवा आधारित आउटरीच की राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण मान्यता है।

महिला प्रकोष्ठ

S.NO.	PROGRAMME	DATE	VENU
1.	Health Awareness Camp	5 feb 2026	Home science girls hostel
2.	"Nari Se Narayani – Vidushi Sangam" Programme	14 feb 2026	Sanskriti Bhawan, Lalit Kala Sansthan,
3.	One Day Seminar "Cancer Awareness: Early Detection, Prevention and Role of Lifestyle"	24 feb 2026	Institute of home science
4.	Government Schemes for Women – Awareness Programme"	8th march 2026	Khaspur,village
5.	Free Diet and Mental Health Counselling Camp	9th march 2026	Institute of home science
6.	Free HPV Vaccination and Health Check-up Camp for Girls and Women	10th march 2026	Arogya Kendra,DBRAU
7.	Valedictory Ceremony of Four-Day International Women's Day Celebration	10th march 2026	J.P. auditorium
8.	**One Day Awareness Programme on "Inter-Generational Bonding for Welfare of Senior Citizens"**	17th march 2026	Institute of home science
9.	**One Day Awareness Programme on "Inter-Generational Bonding for Welfare of Senior Citizens"**	28th march 2026	Institute of home science
10.	**Activity Name-Fire Safety & Rescue Training Workshop**	Date-10 May 2026	Home science girls hostel



प्रधानमंत्री

Prime Minister

New Delhi

17th July 2022

My Dear POOJA Ji,

With your active participation, India has scripted history, yet again!

Our journey of Covid Vaccination started on 16th January 2021 and on 17th July 2022, we reached another significant milestone. It was a memorable day for the country as we completed administering 200 crore vaccine doses, an outstanding achievement in our fight against Covid-19.

Saving lives is crucial, especially during a once-in-a-century global pandemic. Our vaccinators, healthcare workers, healthcare support staff and frontline workers have played a critical role in protecting Indians. This is a laudable example of dedication to duty and delivering when it is most necessary.

From the coldest mountains to the hottest deserts, from faraway villages to dense forests, the Covid-19 Vaccination Programme has left none behind and showed that New India excels in last mile delivery. The scale and speed that India imparted to the world's largest vaccination programme have been spectacular and this has happened due to the efforts of people like you.

On this historic occasion, I applaud your contribution to India's COVID-19 Vaccination Programme and appreciate you for being at the forefront of such a crucial, life-saving mission.

The achievement of 200 crore vaccine doses showcases the strength of the democratic, compassionate and service-oriented ethos of our Nation. The story of India's courage to deliver during a crisis will be cherished by generations to come.

My best wishes to you and your family!

Jai Hind!

Yours Sincerely

(Narendra Modi)

केन्द्रीय ग्रन्थागार

- विश्वविद्यालय का मुख्य केन्द्रीय पुस्तकालय, पालीवाल पार्क परिसर में एस.आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय के नाम से स्थापित है तथा इसकी अन्य "शाखायें विश्वविद्यालय के निम्नलिखित परिसरों में स्थापित हैं :



  - ❖ संस्कृति भवन पुस्तकालय शाखा, सिविल लाइन्स परिसर के संस्कृति भवन में स्थापित है ।
  - ❖ आंबेडकर पुस्तकालय शाखा, स्वामी विवेकानन्द परिसर के खंदारी में स्थापित है ।
  - ❖ अब्दुल कलाम पुस्तकालय शाखा, नेता सुभाषचन्द्र बोस परिसर के छलेसर में स्थापित है ।

- विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं एवं शोधार्थियों की माँग की प्रतिपूर्ति में माननीया कुलपति जी के आदेशों के अनुपालन में छात्र–छात्राओं के सुचारू अध्ययन की सुविधा के हितार्थ एस.आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय को 01 जुलाई, 2025 से 07 घंटे (प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे) की जगह निरंतर 12 घंटे (प्रातः 08 बजे से रात्रि 08 बजे) सहित रविवार के अवकाश के दिवसों में भी प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक खोला जा रहा है ।





- वर्तमान डिजिटल परिवेश में सत्र 2025–26 में विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् समस्त विषयों के 5000 स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्र–छात्राओं के पुस्तकालय कार्डों को डिजिटल/स्मार्ट कार्ड के रूप में तैयार करके पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग हेतु तैयार कर दिया जा चुका है ।
- विश्वविद्यालय की वेबसाइट के होम पेज में विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों सहित ऑनलाइन सूचना सामग्रियों के उपयोगकर्ताओं को 24x7 उपयोग हेतु ई–सूचना संसाधनों स्वरूप ई–पुस्तकों, ई–पत्रिकाओं, ई–डाटाबेस इत्यादि–इत्यादि विविध प्रकार की ई–सूचना सामग्रियों की उपलब्धता है।
- विश्वविद्यालय के एस.आर. रंगानाथन केन्द्रीय पुस्तकालय, संस्कृति भवन पुस्तकालय शाखा, आंबेडकर पुस्तकालय शाखा एवं अब्दुल कलाम पुस्तकालय शाखा में प्रतिदिन लगभग 500 से अधिक छात्र–छात्राओं एवं शोधार्थियों के द्वारा पुस्तकालयों में बैठकर नियमित अध्ययन किया जा रहा है ।
- माननीय कुलपति प्रोफेसर आशु रानी जी के आदेशों के अनुपालन में 05 मई 2026 को मिल्टन पब्लिक स्कूल, केदार नगर, शाहगंज, आगरा के शिक्षकों, शिक्षिकाओं एवं छात्र–छात्राओं के द्वारा एस.आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, पालीवाल पार्क परिसर, आगरा का शैक्षिक भ्रमण किया गया।

- बाबा साहेब डाक्टर भीमराव आंबेडकर जी के 135 वें जन्म दिवस (14 अप्रैल, 2026) के उपलक्ष्य में माननीय कुलपति प्रोफेसर आशु रानी के आदेशों के अनुपालन में विगत वर्ष की भांति एस.आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय, पालीवाल पार्क परिसर में 15 से 22, अप्रैल 2026 की अवधि तक भारतीय संविधान की मूल प्रति एवं डाक्टर आंबेडकर जी की रचित पुस्तकों की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन सर्वजनों के उपयोग हेतु प्रातः 10 बजे से शाम 5 बजे तक के लिए किया गया है।
- प्रोफेसर आशु रानी जी माननीय कुलपति जी डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के आदेशों के अनुपालन में निदेशक, पंचायती राज उत्तर प्रदेश, लखनऊ के अधीन मुख्य विकास अधिकारी महोदया एवं जिला पंचायत राज अधिकारी, आगरा के माध्यम से जनपद आगरा की 104 ग्राम पंचायतों में स्थापित डिजिटल लाइब्रेरी के सुचारू संचालन हेतु 170 ग्राम पंचायत सचिव ,वं पंचायत सहायकों को विश्वविद्यालय के जुबली हाल में 24 एवं 25 मार्च, 2026 को दिये गये दो दिवसीय पुस्तकालय संचालन की सेवाओं के प्रशिक्षण उपरांत प्रतिभागियों को एस. आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय, पालीवाल पार्क परिसर में भ्रमण कराया गया।
- माननीय कुलपति प्रोफेसर आशु रानी जी की अध्यक्षता एवं मुख्य आतिथ्य रुपी स्नेहिल आशीर्वाद एवं गरिमामयी कर कमलों की सानिध्यता में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के पालीवाल पार्क परिसर स्थित जुबली हाल में 26 से 27 फरवरी 2026 को एस. आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय एवं सोशल डेवलपमेंट फेडरेशन, आगरा के संयुक्त तत्वाधान में Artificial Intelligence Tools for Writing & Publishing Research Articles नामक विषय पर दो दिवसीय अंतरर्राष्ट्रीय कार्यशाला (Two Days International Workshop) का शुभारम्भ किया गया।
- माननीय कुलपति प्रोफेसर आशु रानी जी निर्देशानुसार प्रोफेसर मोहम्मद अरशद, अवैतनिक पुस्तकालयाध्यक्ष के मार्गदर्शन में केरल राज्य के महाविद्यालयी C P A College of Global Studies, Puthanathani, Punnathala, Malappuram की 25 छात्राओं एवं 02 शिक्षकों के द्वारा आज 06 फरवरी, 2026 को एस. आर. रंगनाथन केन्द्रीय पुस्तकालय, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, पालीवाल पार्क परिसर, आगरा में किये गए शैक्षणिक भ्रमण के पल। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान छात्राओं एवं शिक्षकों ने एस. आर. रंगनाथन केंद्रीय पुस्तकालय के विभिन्न अनुभागों में संग्रहित दुर्लभ ग्रंथों (Rare Books), संदर्भ ग्रंथों, डिजिटल संसाधनों, विविध सूचना पाठ्य सामग्रियों, अन्य अभिलेखीय संग्रहों एवं पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाओं, संसाधनों एवं सेवाओं को देखने के बाद शैक्षणिक भ्रमण दल अत्यंत उत्साहित एवं प्रसन्न दिखाई दिया और आगंतुक दल ने एस. आर. रंगनाथन केंद्रीय पुस्तकालय की उत्कृष्ट सुविधाओं, सुव्यवस्थित व्यवस्था एवं शैक्षणिक वातावरण की सराहना की तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा को उच्च शिक्षा एवं ज्ञान संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान बताया गया ।

रोजगार एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

The Training and Placement Cell was reconstituted on 29 March 2025 with the objective of strengthening placement activities, industry interaction, student training, and career guidance initiatives within the institution. The reconstituted committee has been actively working towards enhancing employability skills and creating better placement opportunities for students.



The cell continuously organizes training programs, workshops, seminars, industrial visits, and campus placement drives to prepare students according to current industry requirements.

The Training and Placement Cell continues to play an important role in connecting students with reputed organizations and creating employment opportunities. Through regular placement drives, internships, mock interviews, and skill development initiatives, the university remains committed to enhancing students' employability and professional growth.

Committee members : Coordinator: Prof. A.K. Gupta , Co- Cordinator : Prof. Brijesh Rawat, Co- Cordinator : Prof. Ranveer Singh

Members: Dr. Shweta Chaudhary, Dr. Meenakshi Choudhary, Dr. Manoj Yadav, Dr. Ratna Pandey, Dr. Amit Sahu, Er. Manish Dixit.





Training and Placement Cell Activities:

1. Mega Employment Fair Organized at Dr. Bhimrao Ambedkar University Agra. A grand Employment Fair was organized at the Swami Vivekananda Campus of Dr. Bhimrao Ambedkar University with the objective of providing better job opportunities to youth and connecting them with reputed companies. The employment fair was jointly organized by the University and the Regional Employment Office under the guidance of Hon'ble Vice Chancellor Madam Prof. Ashu Rani . Approximately 2,670 candidates registered for the fair, out of which 1,557 candidates were selected by various companies. A total of 41 companies participated in the event, and interviews of candidates were conducted at different centers.
2. Vacmet India Limited on 30 January 2026 . Around 40 students participated 7 students are selected in Vacmet India Limited (Mathura Plant).
3. Ethara AI conducted an internship recruitment drive for BCA and B.Tech students.
   - 10 students were selected as interns.
   - Selected students received a stipend of ?70,000 for 90 days.
4. Expertbells Placement Drive: 19th February 2026 . A total of 105 students participated in the first phase.
5. HSN Pvt Ltd : A total of 115 students participated .
6. Talent-Que : A total of 89 students participated
7. Nexdigm : A total of 110 students participated
8. Jobaaj: A total of 148 students participated
9. Recruimen: A total of 159 students participated

10. Resonanace: 28 January 2026. A total of 79 students participated. 6 Students are selected.





विवेकानन्द इन्क्यूबेशन फाउण्डेशन (VIF)

The Vivekananda Incubation Foundation (VIF) is an important initiative of Dr. Bhimrao Ambedkar University established to promote innovation, entrepreneurship, and startup culture among students, researchers, and young professionals. Founded in 2022 and incorporated as a Section-8 non-profit company, the Foundation works toward creating a supportive ecosystem where innovative ideas can be transformed into successful and sustainable enterprises.

The Foundation is financially supported by the Government of Uttar Pradesh under the Startup Niti Scheme and receives a grant of ?30 lakh annually for five years. This support has enabled VIF to strengthen incubation activities, provide infrastructure facilities, and encourage entrepreneurial development within the University and the region.

Mission: To nurture creativity, innovation, and entrepreneurial thinking by providing quality incubation support, mentorship, technical guidance, and business assistance.

Objective: To create a dynamic environment where young innovators can develop their ideas, receive professional guidance, and gain access to resources needed for startup growth.

Field in VIF support: Agriculture, Energy, Textile, Lifestyle, Health, and Well-being.

Funding of ₹ 5 lakh received for two Incubates, each from the Government of Uttar Pradesh.

Facilities and Support Services: We provide to incubates office space, meeting and



conference rooms, internet and Wi-Fi connectivity, technical mentoring, business monitoring, networking opportunities, and guidance regarding funding and commercialization. Such facilities help startups operate in a professional environment and accelerate their growth and development.

Leadership and Mentorship: VIF is guided by a dedicated team of professionals and recently reconstituted its Board of Directors in a meeting held on November 4, 2025.

- Directors: Prof. Ashu Rani (Hon'ble Vice-Chancellor, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra), Prof. Sharad Chandra Upadhyay, Prof. Sanjay Chaudhary, Shri Ajay Mishra (Registrar, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra), and Shri Mahima Chand (Finance Officer, Dr. Bhimrao Ambedkar University, Agra).
- Visiting Mentors: Mr. Nripen Bhatt (CEO, Rafts and Rivers LLP), Mrs. Shipra Goyal (Chartered Accountant) and Mrs. Richa Bindal (Chartered Accountant)
- Administration & Staff : Mr. Yogesh Tomar (Incubation Manager) & Himanshu.

Strategic Partnerships and MoUs: To strengthen the start-up ecosystem, VIF has established robust corporate and institutional alliances:

- Chamber of Commerce and Industry of India (CCI India): Signed on February 16, 2026, to provide startups with market access, policy advocacy, joint B2B events, and funding opportunities through CCI India's vast network.
- Rafts and Rivers: Engaged in November 2025 as a strategic consultant to source ideas, conduct viability studies, manage pre-incubation programs, and ensure compliance for a minimum of 20 startups.
- Zoho Corporation: Provides Wallet Credits up to ₹ 1.86 lakhs to eligible startups for purchasing Zoho's suite of business software applications.
- Walkover Web Solutions (MSG91): Equips startups with enterprise communication solutions, including 20,000 complimentary transactional emails and OTP services.
- Pstone Consulting LLP: Serves as a knowledge-sharing partner to aid in investor outreach programs, pitch events, and network expansion.

Registered Startups VIF has rapidly expanded its portfolio. As of 2026, the incubator hosts a diverse array of internal (student/university-led) and external startups. A notable milestone is VIF taking a 5% equity stake in Cyber Yodha Tech LLP in March 2026.

Internal Startups (University/Student-led):

- Cyber Yodha Tech LLP (Founder(s) - Tanmay Sharma & Prem Tyagi)
- Akas Standards LLP / Vouch (Founder(s) - Ananya Mittal)
- Aikyam Consultancy Services (Founder(s) - Preeti Singh & Others)
- Campus Buddy LLP (Founder(s) - Punit Pal)



- Influnero (Founder(s) - Sourav Vasdhani)
- Other Projects in Pipeline: All Services at One Call, Report Analyser, Disaster Management using IoT, Doingly, Parenting Control App, and Marketing Agency.

External Startups:

- Venuorama Private Limited (Venue booking platform by Major Vaibhav Goel)
- Akodu Ecom Private Limited (E-commerce by Harsh Kudesia)
- Srijana Global Brands Private Limited (Consumer brands by Vivek Sharma)
- Fro Technologies LLP (Tech solutions by Priyank Kaushik)
- Other Registrations under Process: Famotion Technologies, Apsmalan Venture, Amazeccon Handicraft, Shreyansh Education, Hankernest Technologies, Tinyora Beauty, and Avenue One Lab.

Key Existing Startups & Prototype Grantees:

- AMIACH Technologies Pvt. Ltd. and Easy Mind Space Pvt. Ltd. (Both awarded ?5 Lakh Prototype Grants by the UP Government).
- Gearloose Labs Pvt. Ltd. (E-marketplace for lab equipment).
- SMSM Engineers Pvt. Ltd. (Colour dispensing software and design).
- Ingenebral India Pvt. Ltd., WorkBrick LLP, Gyansakha Services, TobuHub Pvt. Ltd., HQ- VFX, NAV Education, Bionate Research Pvt. Ltd., and Auredge Aurjobs.

Recent Activities and Progress

- Board Resolutions: During the November 4, 2025 meeting, the foundation set an ambitious goal to register at least 20 new startups in the upcoming quarter and expand incubation infrastructure.
- Widespread Awareness Campaigns: To achieve its goals, VIF launched a massive "Startup Awareness Program" series across various institutes in early 2026. This included sessions at:
    - University Computer Centre & Seth Padam Chand Jain on January 13, 14, 2026, focusing on LLP registration and ideation.
    - Dau Dayal Institute of Vocational Education on February 6, 2026, reaching over 60 students and discussing funding opportunities and business models.
    - Deen Dayal Upadhyay Institute of Rural Development, School of Life Science, Lalit Kala Sansthan, ITHM., Department of Pharmacy, Agra College, RBS College, MPS College, Agra and K.M. Institute of Hindi & Linguistics from February 10-16 2026, engaging 100+ students on the journey from idea to business execution.
- Mentorship and Events: To date, VIF has conducted over 50 group mentoring sessions and 30+ one-to-one mentoring sessions. Its startups have successfully represented VIF at major national forums, including the UP Global Investors Summit and UP International Trade Show.

Conclusion : As of May 2026, the Vivekananda Incubation Foundation (VIF) continues to expand its reach and impact significantly. Through strategic MoUs with organizations such as CCI India and Rafts & Rivers, a growing portfolio of internal and external startups, and dynamic university-wide awareness and outreach campaigns, VIF is effectively bridging the gap between innovation and implementation for aspiring entrepreneurs across the region.

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल

यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल की स्थापना सन् 1998 में इस विचार के साथ की गई थी कि छात्रों को ऐसा माहौल दिया जाना चाहिए जिससे प्रेरित होकर वे प्रतिदिन विद्यालय आना चाहें। इस विद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा (जिसे पहले आगरा विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता था) के कार्मिकों के पाल्यों एवं विद्यालय में अध्ययनरत समस्त छात्र/छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए काम करते हुये विश्वविद्यालय में प्राथमिक शिक्षा से शोध तक के लक्ष्य को प्राप्त करना है। विद्यालय में नर्सरी से कक्षा 12 तक की कक्षाओं का संचालन किया जाता है।



सामान्य परिचय :–

विद्यालय में कर्तव्यनिष्ठ, योग्य, अनुभवी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों की अग्रणी टीम है। शैक्षणिक सत्र 2025.26 में कुल छात्र संख्या – 1508 है। विद्यालय में कुल 36 शिक्षक, 08 तृतीय श्रेणी कर्मचारी व 11 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कार्यरत हैं। यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान का व्यापक व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। विद्यालय में समय–समय पर कला और शिल्प विज्ञान प्रदर्शनी, शैक्षिक भ्रमण, प्रश्नोत्तरी, वाद–विवाद, स्कूल क्लब, राष्ट्रीय स्वयं सेवक, स्काउट–गाइड से संबंधित प्रतियोगिता और कई अन्य सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ भी आयोजित की जाती हैं।

संबद्धता :–

विद्यालय वर्ष 2004 में सी.बी.एस.ई. बोर्ड से संबद्ध हुआ था। शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है, जिसमें हिन्दी पर भी पर्याप्त ध्यान दिया जाता है और सभी कक्षाओं के लिए दूसरी आवश्यक भाषा हिन्दी है। यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल को सी.बी.एस.ई. बोर्ड नई, दिल्ली द्वारा कक्षा 12 तक विज्ञान, वाणिज्य एवं मानविकी संकाय के समस्त विषयों में मान्यता प्राप्त है।

प्रयोगशालाएँ :–

यूनिवर्सिटी मॉडल स्कूल, विज्ञान की समग्र प्रयोगशालाओं (भौतिक, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और कम्प्यूटर विज्ञान) से समृद्ध है। हमारे छात्र प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करते हैं और भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और कम्प्यूटर विज्ञान के नियमों के बारे में जानकारी एकत्रित करते हैं। प्रत्येक प्रयोगशाला एक समय में लगभग 50 छात्रों के उपयोग के लिए सुसज्जित है।

पुस्तकालय एवं वाचनालय :–

विद्यालय में अच्छी तरह से सुसज्जित पुस्तकालय है जिसमें विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों (3,000 से अधिक) और साप्ताहिक व मासिक पत्रिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है। जिसमें दैनिक समाचार पत्र भी





उपलब्ध कराये जाते हैं तथा ज्ञानवर्धक छात्रों को रूचि के विषयों की व्यापक और गहन समझ के लिए इन पुस्तकों को सीखने और संदर्भित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एन.एस.एस.–राष्ट्रीय सेवा योजना :–

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की शुरूआत विद्यालय में सत्र 2021 में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से युवा छात्र/छात्राओं के व्यक्तित्व और चरित्र को विकसित करने के प्राथमिक उद्देश्य से की गई थी। "सेवा के माध्यम से शिक्षा" एनएसएस का उद्देश्य है। विद्यालय में एनएसएस की दो इकाईयाँ भी संचालित है।

स्काउट एण्ड गाइड :–

स्काउट और गाइड की शुरूआत विद्यालय में सत्र 2017–18 में प्रारम्भ हुआ। स्काउट और गाइड युवाओं के लिए एक स्वैच्छिक और शैक्षिक आंदोलन है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों और युवाओं का शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और चारित्रिक विकास करके उन्हें अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाना है।

ई. सुविधायें :–

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल विभिन्न ई–सुविधाएं प्रदान कर रहा है जैसे एसएमएस सेवा, ई–लाइब्रेरी और गतिशील वेबसाइट जिसमें फोटो गैलरी, समय–सारिणी, पाठ्यक्रम, विभिन्न परीक्षाओं की तिथि–पत्रिकाएं, परिपत्र, वार्षिक योजना, गतिविधि कैलेंडर, अवकाश गृहकार्य एवं आदि पाठ्य गतिविधियाँ शामिल हैं।



डॉ. भीमराव आंबेडकर पीठ

Dr. Bhimrao Ram Ji Ambedkar (1891-1956), fondly known as Babasaheb, is one of the most illustrious sons of India and a great National Leader. He is considered the champion for the Dalit cause, an erudite scholar, extraordinary statesman, and a visionary who contributed greatly to the building of the modern India. Dr. Ambedkar left an indelible impression in the history of India as a 'messiah' who unfettered the oppressed masses and secured human rights for millions of weaker and oppressed classes that were path-breaking in its essence and strived towards the monumental endeavours of freedom. He was the chief architect of the Constitution of India, wherein Babasaheb left emancipatory provisions for the justice and empowerment of the oppressed classes. He symbolised the struggle for justice and empowerment of the weaker and downtrodden population in India and laid the foundation stones of building a just society. Babasaheb's ground



breaking ideas led to the formation of the Reserve Bank of India during British rule. As a labour leader, he promoted the revolutionary idea of 'fair condition of life of labour' as opposed to 'condition of work', which provided the outline of the future labour laws in India. Babasaheb was also a champion of the cause of gender parity. He initiated reforms for lessening working hours to 48 hours per week, removed the ban of engaging women in various forms of employment, and coded the principle of 'equal pay for equal work' irrespective of gender. His idea of the Hindu Code Bill was of emancipatory nature. Babasaheb also left a lasting impression as a social reformer through his role in the movements like Mahad Satyagraha, the Anti-Khoti movement, and the Dalit Buddhist movement.



The Dr. Bhimrao Ambedkar Peeth (Chair) was established in the year 1997 by the U.P. Govt. (Letter No. 2063/15 (उ०शि०4) Dated 19.06.1997) for achieving the following objectivities.

Objectives :

1. To provide well-equipped centre of learning to intellectuals, academicians and students to undertake studies and research with an intention to understand, assess and disseminate ideas and thoughts of Dr. Bhimrao Ambedkar particularly on subjects like Economics, Political Science, Religion, Philosophy, Constitutional Studies, Education, Social Work, Human Rights as well as other disciplines considered relevant for attainment of our National Goal of Social Justice and Empowerment.
2. To conduct research and higher studies vis-à-vis the socio-economic and cultural life as well as the biological aspects of the marginalized/oppressed groups or backward classes or weaker sections of the society.

Seminar / Activities organized by the Ambedkar Chair after 20th August 2025:

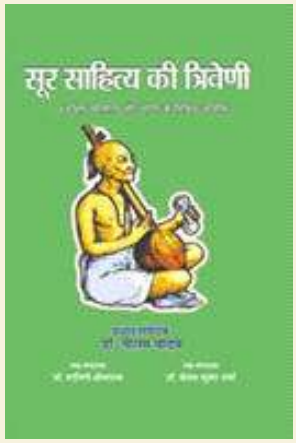
- Garland ceremony programme on the occasion of Dr. Bhimrao Ambedkar Jayanti: 14 April 2026.
- National Seminar on "Relevance of Dr. Bhimrao Ambedkar's Ideas on Social Justice and Women's Empowerment in Contemporary India" on the occasion of 135th Birth anniversary of Bharat Ratna Babasahab Dr. Bhimrao Ambedkar, 15th April 2026.
- Exhibition of Copies of the Indian Constitution, at S. R. Ranganathan





सूर–पीठ

सूर–पीठ, डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा की पीठ है। यह राज्य–शासन से मान्यता प्राप्त है। इसकी स्थापना सूर–स्मारक मण्डल आगरा के महामंत्री डॉ. सिद्धेश्वर नाथ श्रीवास्तव के अथक प्रयासों के फलस्वरूप सन् 1999 में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति श्री मंजूर अहमद जी के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में की गई थी। तब से अब तक यह पीठ विश्वविद्यालय परिसर में स्थित कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी एवं भाषाविज्ञान विद्यापीठ में संचालित है। इस पीठ में पुष्टिमार्ग के जहाज व अष्टछाप के प्रतिनिधि महाकवि महात्मा सूरदास के व्यक्तित्व और कृतित्व का सर्वांगीण अध्ययन एवं शोध कार्य किया जाता है।



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा महाकवि सूरदास को अपने कुलकवि के रूप में मान्यता प्रदान की गई। अब वे 'कुलकवि सूर' नाम से ही विश्वविद्यालय में जाने जाते हैं।

सूर–पीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम :

- सूर पद–गायन प्रतियोगिता एवं शैक्षणिक भ्रमण (सूर कुटी, कीठम, रुनकता, आगरा)
- सूर साहित्य की त्रिवेणी (संपादित) INSHA Publication, October 2024-new Delhi- ISBN 978–93–88647–99–1 (संपादक : डॉ. नीलम यादव, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, डॉ. केशव कुमार शर्मा)




दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ



Pandit Deendayal Upadhyay Shodh Peeth was founded within Dr. Bhimrao Ambedkar University in 2018. The primary objective behind establishing the Shodh Peeth was to disseminate knowledge about the life and contributions of Pandit Deendayal Upadhyay, as it holds great relevance in today's fragmented society.

The philosophy of Integral Humanism advocated by Pandit Deendayal Upadhyay becomes particularly significant when the global focus leans towards individual satisfaction maximization rather than group satisfaction maximization.

The Shodh Peeth aims to foster harmony and ethical values within society, contributing to its holistic and sustainable development.

Coordinator : Dr. Manoj Kumar Singh

Activities

- Some glimpses of programs organized at Dr. Bhimrao Ambedkar University under the Pandit Deendayal Upadhyaya Research Center.



समर्थ पोर्टल

समर्थ पोर्टल के माध्यम से किए गए कार्यों का आख्या विवरण :

1. **संगठनात्मक इकाइयों (OU) एवं उपयोगकर्ताओं का निर्माण**
   समर्थ पोर्टल पर कुल 594 Organizational Units (OU) का निर्माण किया गया।
   विभिन्न विभागों एवं प्रशासनिक कार्यों के संचालन हेतु 2,150 Users बनाए गए।
   वर्तमान में समर्थ पोर्टल पर कुल 4,84,408 विद्यार्थी पंजीकृत हैं।
2. **विद्यार्थियों का डेटा आयात एवं शिकायत निवारण प्रणाली**
3. **कोर्स चयन एवं परीक्षा प्रपत्र प्रक्रिया**
4. **परीक्षा संचालन, अंक अपलोड एवं परिणाम घोषणा**
   नियमित विद्यार्थियों की परीक्षाओं का आयोजन समर्थ प्रणाली के माध्यम से किया गया।
   विद्यार्थियों के Internal Marks एवं Practical Marks समर्थ पोर्टल पर अपलोड किए गए।
   नियमित विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम (Results) समर्थ पोर्टल के माध्यम से घोषित किए गए।
5. **ABC ID निर्माण।**
   विद्यार्थियों की कुल 2,32,568 ABC (Academic Bank of Credits) ID समर्थ पोर्टल के माध्यम से बनाई गई।
   विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों को डिजिटल रूप से सुरक्षित एवं एकीकृत किया गया।
   Academic Records को एक ही मंच पर संरक्षित रखने की सुविधा सुनिश्चित की गई।
6. **YouTube चैनल एवं Samarth Guide Website का संचालन।**
   विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं संबद्ध महाविद्यालयों के लिए एक YouTube सहायता चैनल प्रारम्भ किया गया।
   समर्थ से संबंधित प्रक्रियाओं एवं समस्याओं के समाधान हेतु प्रशिक्षण वीडियो उपलब्ध कराए गए।
   इसके अतिरिक्त एक Samarth Guide Website भी विकसित की गई।
7. **पंजीकरण एवं संबद्ध महाविद्यालयों की प्रक्रियाएँ।**
   Regular (RW) तथा Affiliated विद्यार्थियों के Registration समर्थ पोर्टल के माध्यम से संपन्न कराए गए।
   संबद्ध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों का डेटा आयात किया गया।
   विद्यार्थियों को नियमानुसार अगली कक्षाओं में Promote किया गया।
   संबद्ध महाविद्यालयों की विभिन्न शैक्षणिक प्रक्रियाओं को समर्थ प्रणाली से जोड़ा गया।
8. **संबद्ध विद्यार्थियों की परीक्षा एवं परिणाम प्रक्रिया।**
9. **समर्थ गाइड का निर्माण।**
10. **परीक्षा संचालन।**
11. **समर्थ मॉड्यूलों का संचालन।**

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन











डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल का जीर्णोद्धार एवं विस्तार

(स्वामी विवेकानन्द परिसर, खन्दारी)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन



डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

(मिया वाकी) 'निधिवन'

(स्वामी विवेकानन्द परिसर, खन्दारी)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन



डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

चाणक्य सदन एवं अतिथि ग्रह का एकीकरण एवं नवीनीकरण

(स्वामी विवेकानन्द परिसर, खन्दारी)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन



डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

सेन्टर फॉर लीगल एजूकेशन 'शताब्दी भवन'

(सुल्तानगंज परिसर)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन







डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

'कणाद' हाई–टेक इंस्ट्रूमेंटेशन सेन्टर

(इन्स्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइन्स, स्वामी विवेकानन्द परिसर, खन्दारी)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन



डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर मूर्ति स्थल का नवीनीकरण

(पालीवाल पार्क परिसर)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन



डा0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

सुभाष चन्द बोस परिसर का मुख्य द्वार 'शताब्दी द्वार'

(नेताजी सुभाष चन्द बोस परिसर, छलेसर)

का लोकार्पण

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

माननीय कुलाधिपति जी द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2026 को लोकार्पित एवं शिलान्यासित भवन



डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

आंबेडकर भवन का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण

(स्वामी विवेकानन्द परिसर, खन्दारी)

का शिलान्यास

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

(पूर्ववर्ती आगरा विश्वविद्यालय, आगरा)

लॉन टेनिस कोर्ट

(सुभाष चन्द बोस परिसर, छलेसर)

एवं

सुभाष चन्द बोस परिसर की सड़क निर्माण व पार्किंग स्टेंड

(सुभाष चन्द बोस परिसर, छलेसर)

का लोकार्पण

तथा

टीचर्स होम के आवासों का जीर्णोद्धार एवं नवीनीकरण

(स्वामी विवेकानन्द परिसर, खन्दारी)

का शिलान्यास

श्रीमती आनंदीबेन पटेल

श्री राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं

माननीय कुलाधिपति, डॉ0 भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा

एवं

श्रीमती रजनी तिवारी

माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

श्री योगेन्द्र उपाध्याय

माननीय मंत्री उच्च शिक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार

के कर कमलों द्वारा

प्रो0 आशु रानी

कुलपति की उपस्थिति में

विक्रम संवत् 2083, श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी, सोमवार, दिनांक 03 अगस्त, 2026 ई0 को सम्पन्न हुआ।

सुदर्शन
वित्त अधिकारी

डॉ0 ओमप्रकाश
परीक्षा नियंत्रक

अजय मिश्रा
(पी.सी.एस.)
कुलसचिव

समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय

11 | बुधवार, 01 जुलाई 2026 | NNI न्यूज नेक्स्ट इंडिया | गौरव



डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा का शताब्दी स्थापना दिवस

100 वर्षों की गौरवगाथा के साथ नए युग का शुभारंभ









"100 वर्ष की यह यात्रा केवल समय का इतिहास नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, समर्पण और अनुशासन की अखंड साधना का प्रमाण है। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने एक संस्थानों में लाखों विद्यार्थियों के जीवन को दिशा दी है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हमारा प्रयास है कि शताब्दी वर्ष को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर इसे दिशा, अनुसंधान, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ते हुए अगली शताब्दी के महत्वाकांक्षी विजन को साकार करने की दिशा में अग्रसर बनाया जाए। आने वाले प्रत्येक कार्यक्रम हमारी गौरवशाली विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा।"

प्रो. आशुतोष कुलपति

आंबेडकर विवि में 9-15 वर्ष की बेटियों को मिलेगा मुफ्त टीका



कार्यक्रम को संबोधित करतीं महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान। स्रोत : विवि

संवाद न्यूज एजेंसी

कुलपति ने की वार्षिक निशुल्क टीकाकरण अभियान की घोषणा, 22 जुलाई को लगेगा स्वास्थ्य शिविर

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर स्थित जेपी सभागार में शनिवार को दीक्षोत्सव-2026 के तहत स्वस्थ बेटी, खुशहाल परिवार : मां-बेटी स्वास्थ्य चर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. आशु रानी ने विश्वविद्यालय कर्मचारियों की 9 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बेटियों के लिए प्रतिवर्ष निशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू करने की घोषणा की।

मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन के महत्व पर जोर देते हुए मां-बेटी के बीच खुले संवाद की आवश्यकता बताई। कैंसर विशेषज्ञ डॉ. संदीप अग्रवाल ने कहा कि समय पर टीकाकरण और नियमित जांच से सर्वाइकल कैंसर की प्रभावी रोकथाम संभव है। स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. दिव्या यादव ने मासिक धर्म स्वच्छता और सुरक्षित स्वास्थ्य आदतों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में 3 अगस्त को होने वाले मां-बेटी सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। साथ ही 22 जुलाई को विश्वविद्यालय के आरोग्य केंद्र में महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर तथा 14-15 वर्ष की बालिकाओं के लिए निशुल्क एचपीवी वैक्सीनेशन आयोजित किए जाने की जानकारी दी गई।

दीक्षांत समारोह में सीवी रमन ने बांटी थीं डिग्रियां

पहले कुलपति ए डब्ल्यू डेविस ने भारत छोड़ते समय भवन निर्माण के लिए दिया था 50,000 रुपये का दान

देश दीपक तिवारी

आगरा। शताब्दी वर्ष में प्रवेश तक के सफर में विश्वविद्यालय में कई रोचक किस्से हैं। नोबेल विजेता महान वैज्ञानिक सर सीवी रमन ने यहां वर्ष 1931 में चौथे दीक्षांत समारोह में छात्रों को डिग्रियां बांटी थीं। तब विश्वविद्यालय किराए के भवन में चलता था।


सीवी रमन। फाइल

तत्कालीन कुलपति दीवान चंद की 1931-32 की रिपोर्ट में बताया गया है कि विज्ञान के क्षेत्र में वर्ष 1930 में नोबेल प्राप्त करने पहले अश्वेत और महान भारतीय वैज्ञानिक सर सीवी रमन 21 नवंबर, 1931 को आगरा कॉलेज आए थे। उन्होंने छात्रों की डिग्रियां बांटी थीं। कुल 468 स्नातकों को डिग्रियां प्रदान की गई थीं।

बड़े कॉलेजों की छोटा विवि बनने की होड़ का विरोध

तत्कालीन यूनाइटेड प्रोविंस (अब उत्तर प्रदेश) में उस समय 5 विश्वविद्यालय थे। कुलपति ने अपनी रिपोर्ट में चिंता जताई थी कि पोस्ट-ग्रेजुएट स्तर पर एक ही विषय की पढ़ाई कई जगह होने से संसाधनों की बर्बादी हो रही है। उन्होंने सुझाव दिया था कि संसाधनों के किफायती उपयोग और दक्षता के लिए कॉलेजों के बीच समन्वय होना चाहिए ताकि हर बड़ा कॉलेज एक छोटा विश्वविद्यालय बनने की होड़ में न लगे। इसी कड़ी में 1933-34 से इंटर-कॉलेजिएट व्याख्यान शुरू करने की पहल की गई थी।

1 वें साल में विश्वविद्यालय



99 वर्ष...समय के पन्नों पर दर्ज यह संख्या सिर्फ विश्वविद्यालय की उम्र का आंकड़ा भर नहीं है। ये अपने अंदर ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र-निर्माण की अमर गाथा समेटे हुए है। देश के प्राचीन और प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शुमार डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा 1 जुलाई 2026 को अपने गौरवमयी इतिहास के 100वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। शताब्दी वर्ष का यह ऐतिहासिक पड़ाव ज्ञान की उस अविरल यात्रा का महोत्सव है, जिसने देश-दुनिया को अनगिनत विद्वान, राजनेता, वैज्ञानिक और चिंतक दिए हैं। 1 जुलाई 1927 को जब आगरा विश्वविद्यालय की नींव रखी गई थी, तब शुरुआत बेहद सीमित थी। अब यह विश्वविद्यालय विशाल ज्ञान-साम्राज्य में तब्दील हो चुका है, जिसकी छांव में 3.5 लाखों युवाओं का भविष्य संवर रहा है...

एआई-मशीन लर्निंग की ओर बढ़े कदम

जल्द शुरू होंगे एमटेक कोर्स, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी छात्र कर सकेंगे पढ़ाई



जूता उद्योग को मिलेंगे स्थानीय विशेषज्ञ

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम से विदेश तक धाक

विवि को रिसर्च का बड़ा केंद्र बनाना ही उद्देश्य

रिसर्च हब बनेगा आगरा

नारी सशक्तीकरण की मिसाल बना विवि

अब 14 कॉलेज, जिनसे शुरू हुआ विश्वविद्यालय

आगरा कॉलेज, आगरा	बलवंत कॉलेज, बोर्ड
सेंट जॉन्स कॉलेज, आगरा	राजपूत कॉलेज, अजमेर
महात्मा कॉलेज, मथुरा	डीएवी कॉलेज, कानपुर
मेरठ कॉलेज, मेरठ	विक्टोरिया कॉलेज, ग्वालियर
इंडियन क्रिश्चियन कॉलेज	सेंट पीटर्स कॉलेज, फीरोजपुर
होल्कर कॉलेज, इंदौर	जसवंत कॉलेज, जोधपुर
सनातन धर्म कॉलेज, कानपुर	एडविनस्या कॉलेज, कानपुर



समाचार–पत्रों के दर्पण में विश्वविद्यालय

विवि में सात एईडीपी कोर्स शुरू प्रशिक्षण के साथ मिलेगा भुगतान

संवाद न्यूज एजेंसी

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने के लिए अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम (एईडीपी) के सात नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इनमें पढ़ाई के साथ उद्योगों में प्रशिक्षण और अप्रेंटिसशिप का अवसर मिलेगा। प्रशिक्षण अवधि में विद्यार्थियों को भुगतान भी दिया जाएगा।

दाऊ दयाल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन में बीएससी मीडिया कम्युनिकेशन, बीबीए लॉजिस्टिक्स, बीएससी डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, सेठ पदमचंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट में बीबीए इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए रिटेल ऑपरेशंस और विश्वविद्यालय के कंप्यूटर सेंटर में बीएससी एनीमेशन एवं बीएफएक्स कोर्स



पढ़ाई के साथ उद्योगों में प्रशिक्षण और अप्रेंटिसशिप का अवसर मिलेगा

शामिल हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में 60-60 सीटें निर्धारित की गई हैं और प्रवेश के लिए इंटरमीडिएट उत्तीर्ण होना जरूरी है। एईडीपी के तहत विद्यार्थियों को डिग्री के साथ उद्योगों का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को कौशल, अनुभव और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

यूनिवर्सिटी में मां के नाम रोपे 400 पौधे

खंदारी से पालीवाल पार्क तक 'ग्रीन रो', कुलपति सहित स्टूडेंट्स ने रोपे पौधे





पीएम श्री स्कूल के बच्चों ने मां के नाम रोपे पौधे

AGRA (12 July) : डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के गौरवशाली वर्ष पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत एक साथ 400 पौधे रोपे गए. कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा और कुलपति प्रो. आशु रानी के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के खंदारी, छलैसर और पालीवाल पार्क परिसरों में यह वृक्षारोपण हुआ. इस महाअभियान में छात्राओं, फाकल्टी और अधिकारियों ने छायादार, फलदार और औषधीय पौधे लगाकर ग्रीन कैंपस और सतत विकास का संकल्प लिया गया.

प्रकृति ही हमारी जीवनदाता

कुलपति प्रो. आशु रानी ने खंदारी परिसर में NSS, NCC और स्टूडेंट्स के साथ पौधारोपण करते हुए कहा कि प्रकृति ही हमारी जीवनदाता है. यदि हर नागरिक अपनी मां के सम्मान में एक पौधा लगाए और उसे बचाए, तो आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित पर्यावरण मिलेगा. वहीं, कुलसचिव अजय मिश्रा ने पालीवाल पार्क परिसर में कमान संभाली और कहा कि केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति संवेदनशील नागरिक बनाना भी यूनिवर्सिटी का मकसद है. अभियान को सफल कोऑर्डिनेशन डॉ. बी.एस. शर्मा और डॉ. पूनम तिवारी ने किया.

रजिस्ट्रार के आदेश पर पर्यावरण को बचाने की मुहिम अब स्कूली छात्रों तक पहुंच गई है. रजिस्ट्रार को पीएम श्री रोहता कम्पोजिट स्कूल में 'एक पूत मां के नाम' अभियान के तहत जमकर पौधारोपण किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गौतम ग्राम प्रधान श्रीमती मुन्नी देवी ने बच्चों का हौसला बढ़ाया और खुद अपने हाथों से पौधे रोपे. स्कूल परिसर में अलग-अलग वैरायटी के फलदार और छायादार पौधे लगाए गए.

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com — अपना आगरा

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने को हुई बैठक

89 पदक, 150 शोधार्थियों को उपाधि

दीक्षांत



27 जुलाई से मिलेंगी दीक्षांत की पोशाकें

डॉ. आंबेडकर विश्वविद्यालय 26 जुलाई को लगाएगा धरणी

छात्रों संग शिक्षकों ने पढ़ी किताबें

Campus — my city — अमर उजाला

शताब्दी स्मारिका में दिखेगा विवि का गौरवशाली सफर

दुर्लभ ऐतिहासिक दस्तावेज, तस्वीरें और प्रमुख उपलब्धियां की गई हैं शामिल

संवाद न्यूज एजेंसी



स्मारिका का मुख्य पृष्ठ।

योगदान को एक स्थान पर संकलित करने का प्रयास

एक्सक्लूसिव

एआइ प्राम्प्ट्स से रोचक बनाया जा रहा है भाषा शिक्षण

- विश्वविद्यालय में डीन रिसर्च जियो इंफर्मेटिक कार्यशाला में तकनीक के छात्रपुत्रों पर की गई चर्चा
- शिक्षण को स्वनीय और भौगोलिक संदर्भों से जोड़कर रोचक तरीके से किया जा सकता है प्रस्तुत



विवि: रूसी छात्र दल के स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम का समापन

अमर भारती संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के विदेशी भाषा विभाग में स्टूडेंट एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत रूस के रामजी आईएमओ विश्वविद्यालय से आए चार छात्रों के चौथे बैच का चतुर्थक्रम सम्पन्न हो गया। समापन समारोह में छात्रों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।



तीन माह तक विश्वविद्यालय में रहकर रूसी छात्रों ने हिंदी भाषा, भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं साहित्य का अध्ययन किया। यह कार्यक्रम दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य हुए समझौता ज्ञापन के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। पिछले दो वर्षों में रूस से छात्रों के पांच दल आगरा आ चुके हैं, जबकि विश्वविद्यालय के तीन छात्र दल अध्ययन के लिए रूस भेजे जा चुके हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने कहा कि विश्वविद्यालय अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। वहीं विद्यापीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप ओबेर ने इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। कार्यक्रम में दरिया सिगेएवा, निओगी मोलिकआन, पावेल अमीएव एवं गलीना वकारेवा ने भारत में अपने अनुभव साझा करते हुए भारतीय संस्कृति और शिक्षा व्यवस्था की सराहना की।

सुनहरे अतीत से भविष्य तक की झलक दिखाई

साहित्य

इन्होंने भी दिखाए नवाचार

- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय
- दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
- लखनऊ विश्वविद्यालय
- डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय
- चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, उन्नाव
- शारदा विश्वविद्यालय, आगरा
- एमिटी यूनिवर्सिटी
- बेनेट यूनिवर्सिटी

आगरा। विश्वविद्यालय ने रविवार को आयोजित कार्यक्रम में विकास यात्रा का प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विवि परिसर में कार्यक्रम के चलते विशेष प्रदर्शनी लगायी गयी। इसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर विवि के साथ-साथ प्रदेश के विभिन्न राज्य व निजी विश्वविद्यालयों ने अपने नवाचार प्रस्तुत किए।

विवि की ओर से प्रदर्शनी में इतिहास से भविष्य तक की झलक दिखायी गई। प्रदर्शनी में एक ओर जहां विवि में मौजूद प्राचीन धरोहर, पांडुलिपी और साहित्य को प्रदर्शित किया गया, वहीं विश्वविद्यालय में हो रहे नवाचार भी प्रस्तुत किए गए। प्रदर्शनी में कन्हैया लाल माणिकलाल मुंशी अभिलेख धरोहर संग्रहालय एवं शोध केंद्र की ओर से प्राचीन साहित्य और संरक्षित पांडुलिपी प्रदर्शित की गयीं। प्रो. प्रदीप ओबेर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को विवि में संरक्षित धरोहरों के बारे में जानकारी दी। वहीं, विवेकानंद इंक्यूबेशन सेंटर में पंजीकृत स्टार्टअप को भी प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. ब्रजेश रावत, प्रो. अनिल गुप्ता, प्रो. एसके जैन, प्रो. यूएन शुक्ला, प्रो. रनवीर सिंह, प्रो. संजय चौधरी, प्रो. बिन्दु शेखर शर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंजाब नेशनल बैंक और राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से भी प्रदर्शनी लगायी गयी।



विश्वविद्यालय के खंदारी कैंपस में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री।

14 कॉलेजेस से हुई थी शुरूआत, एक सदी में लाखों स्टूडेंट्स को दी नई दिशा

किराए के कमरे से शुरू हुआ सफर, अब शताब्दी की दहलीज पर पहुंची यूनिवर्सिटी

SPECIAL

डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी में आज से शुरू होगा शताब्दी साल समारोह

agra@inext.co.in

AGRA (30 June) : किराए के एक कमरे से शुरू हुआ आगरा का डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी अपनी 100 वीं सालगांठ की दहलीज पर पहुंच चुका है. एक जुलाई 1927 को भरतपुर हाउस के एक भवन से शुरू हुई इस शैक्षणिक यात्रा ने बीते 99 सालों में देश के प्रमुख यूनिवर्सिटीज में अपनी पहचान बनाई है. एक जुलाई 2026 को यूनिवर्सिटी शताब्दी साल में प्रवेश करेगा और इसी दिन से सालभर चलने वाले भव्य समारोहों का औपचारिक शुभारंभ होगा.

समय के साथ बढ़ा दायरा

यूनिवर्सिटी की स्थापना के समय केवल 14 कॉलेज इससे संबद्ध थे, लेकिन समय के साथ इसका दायरा लगातार बढ़ता गया. एक दौर ऐसा भी आया जब पंजाब की सीमा से लेकर बिहार तथा राजस्थान और मध्य प्रदेश के अनेक शिक्षण संस्थान इसके अधीन थे. उस समय संबद्ध कॉलेजेस की संख्या 1100 तक पहुंच गई थी और स्टूडेंट्स की संख्या करीब 3.50 लाख रही. वर्तमान में विश्वविद्यालय से आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा और मैनपुरी के लगभग 550 कॉलेज संबद्ध हैं, जिनमें



FILE

1927 का विश्वविद्यालय.


विश्वविद्यालय के पहले कुलपति एडब्ल्यू डेविस.


पहले कुलाधिपति विलियम सिंक्लेयर मैरिस.

1 जुलाई 1927
आगरा विश्वविद्यालय की स्थापना

1100
सर्वाधिक संबद्ध कॉलेज (एक समय)

550 वर्तमान संबद्ध कॉलेज

1995
नाम बदलकर डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय किया गया

14
स्थापना के समय संबद्ध कॉलेज

3.50 लाख
सर्वाधिक स्टूडेंट्स संख्या (एक समय)

2.82 लाख
वर्तमान स्नातक सीटें

संकायों की उपलब्धियां होंगी प्रदर्शित

1. शताब्दी साल के राष्ट्रीय स्तर के प्रमुख कार्यक्रम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं कुलाधिपति अथवा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपलब्धता और स्वीकृति के बाद आयोजित किए जाएंगे. इसी अवसर पर यूनिवर्सिटी के 100 सालों के इतिहास, उपलब्धियों, शोध, नवाचार और सामाजिक योगदान पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री का प्रथम प्रदर्शन होगा.

2. साथ ही संदरी परिसर स्थित दीक्षांत शार्क में तीन दिवसीय भव्य शताब्दी प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी. इसमें यूनिवर्सिटी के दुर्लभ दस्तावेज, ऐतिहासिक तस्वीरें, दीक्षांत समारोहों की झलकियां और विभिन्न संकायों की उपलब्धियां प्रदर्शित की जाएंगी.

पहला आवासीय संस्थान बना केएमआई

शैक्षणिक विस्तार के साथ यूनिवर्सिटी ने कई महत्वपूर्ण संस्थानों की स्थापना भी की. साल 1953 में पहला आवासीय संस्थान कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी हिंदी एवं भाषा विज्ञान विद्यापीठ शुरू हुआ. इसके बाद 1957 में समाज विज्ञान संस्थान, 1968 में गृह विज्ञान संस्थान, 1984 में बेसिक साइंस संस्थान और पुस्तकालय विज्ञान विभाग तथा 1985 में इतिहास एवं संस्कृति विभाग की स्थापना की गई. इन संस्थानों ने यूनिवर्सिटी की अकादमिक पहचान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया.

सिक्का और स्मारक डाक पोस्टकार्ड का विमोचन

शताब्दी साल समारोह समिति के संयोजक प्रो. भूपेंद्र स्वरूप शर्मा ने बताया कि एक जुलाई को होने वाला कार्यक्रम केवल शुरुआत है. साल 2026-27 के दौरान शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, युवा सशक्तिकरण, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण से जुड़े लगभग 100 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस दौरान विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक यात्रा को प्रदर्शित करने के लिए विशेष स्मारक सिक्का और स्मारक डाक पोस्टकार्ड का सार्वजनिक विमोचन भी किया जाएगा. इनके डिजाइन का अनावरण पहले ही लखनऊ में हो चुका है.

> "यह यात्रा केवल 100 सालों का इतिहास नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, समर्पण और उत्कृष्टता की सतत स्वीकृति का प्रमाण है. यूनिवर्सिटी ने लाखों स्टूडेंट्स को नई दिशा देकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है.
> **प्रो. आशु रानी**, कुलपति

शताब्दी समारोह विश्वविद्यालय परिवार, पूर्व स्टूडेंट्स और समाज के सामूहिक सहयोग का उत्सव होगा, जो आने वाली पीढ़ियों को उत्कृष्टता और नवाचार के लिए प्रेरित करेगा.
अजय मिश्रा, कुलसचिव

विश्वविद्यालय बना भारत-रूस शैक्षणिक सहयोग का सशक्त मंच

इंडो-रूस अकादमिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को दिए शैक्षिक लिंक के नए अवसर

एसएलआई



आगरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के के.एम. इंस्टीट्यूट ऑफ हिंदी एंड लिंग्विस्टिक्स तथा फिलोलॉजी भाषा विभाग एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में इंडो-रूस अकादमिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम रूस के प्रतिष्ठित सामरी पॉलिटेक्निक विश्वविद्यालय के सहयोग से फिलोलॉजी भाषा विभाग में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों की उत्साहजनक उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और रूस के मध्य शैक्षणिक, भाषाई, सांस्कृतिक एवं शोध सहयोग को और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने का आपसी सहयोग एवं सांस्कृतिक संबंधों को सुदृढ़ परिवेश पर प्रकाश डालना। विद्यार्थियों को रूसी भाषा, संस्कृति, साहित्य, उच्च शिक्षा अवसरों की जानकारी भी प्रदान की गई। यहीं अंतरराष्ट्रीय परिवेश में भारत की संस्कृति, अतिथि सत्कार और विद्यार्थियों के उत्थान की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय छात्रों में नई भाषाएं सीखने की अद्भुत क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास स्वाभाविक रूप से दिखाई देता है। उन्होंने विद्यार्थियों की रुचि में उपलब्ध छात्रवृत्ति योजनाओं, शोध कार्यक्रमों एवं छात्र आदान-प्रदान के अवसरों के अंतर्गत विश्वविद्यालय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने रूसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

इस बार दीक्षांत समारोह होगा शिक्षा, संस्कृति व सामाजिक सरोकारों का संगम : प्रो. आशु रानी

तीन अगस्त को होगा दीक्षांत समारोह, कुलपति ने तैयारियों की समीक्षा कर समितियों को दिए समयबद्ध कार्य पूरे करने के निर्देश



विवि: फार्मेसी संस्थान में हुआ 'एक घंटा पुस्तक पठन एवं पुस्तक समीक्षा' कार्यक्रम



अमर भारती संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के नेताजी सुभाष चंद्र बोस छलेसर परिसर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड पैरामेडिकल सामग्री की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत करते हुए उनकी विषयवस्तु, उपयोगिता तथा शोध कार्य में उनकी भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। छात्रों ने कहा कि आधुनिक पुस्तकों

सेवा पखवाड़े में क्षय रोगियों को दी पोषण पोटली

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने सेवा पखवाड़ा के तहत बुधवार को कुलपति प्रो. आशु रानी के नेतृत्व में 75 महिला क्षय रोगियों को गोद लिया। इसके बाद उन्हें पोषण पोटली वितरित की। इस दौरान प्रधानमंत्री का लाइव उद्बोधन प्रसारण भी दिखाया गया। कुलपति ने क्षय रोगियों को सही खानपान और सकारात्मक सोच अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सहजन की फली और इसकी पत्तियों का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना ने बताया कि सामुदायिक रेडियो 90.4 आगरा की आवाज के माध्यम से वर्ष 2021 से टीबी उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इस वर्ष यह संख्या 125 तक पहुंच चुकी है। डॉ. पूनम तिवारी ने कहा कि



कार्यक्रम में बोलतीं कुलपति प्रो. आशु रानी। संवाद

91वें दीक्षांत समारोह की झलकियाँ



















